तापमान
अधिकतम 29 .1 डिग्री
न्यूनतम 10 .3 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 22 फरवरी 2026

12 रिंग रोड से खेतों में रास्ता देने को लेकर बनी सहमति ..

12 पीएम श्री स्कूल उगाला में आयोजित हुआ वार्षिक ..

यमुनानगर। गांव पलाका में पोल्ट्री फार्म बनाए जाने के विरोध में धरना प्रदर्शन करते हुए ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

युवक से हड़पे 82 लाख रुपये

यमुनानगर। शहर के मॉडल टाउन में मकान बेचने के नाम पर मॉडल टाउन निवासी गौरव दत्ता से 82 लाख रुपये हड़प लिए गए। आरोप जिला भिवानी के बहनान के गांव लेगान निवासी उर्मिला देवी व राजवीर सिंह पर लगा है । आरोप है कि आरोपियों ने पैसे लेने के बाद भी मकान की रजिस्ट्री उनके नाम नहीं करवाई। आरोपियों ने जो चेक उन्हें दिया वह भी बाउंस हो गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी।

कम्युनिटी सेंटर में चौकीदार ने फंदा लगाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

सेक्टर 8 के कम्युनिटी सेंटर में चौकीदार ने शनिवार को फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। चौकीदार शराब पीने का आदी था। सुबह अचानक उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया। परिवार ने दरवाजा खुलाने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो चौकीदार का शव फंदे पर लटका था। मृतक की पहचान सुभाष चंद (50) निवासी सेक्टर-8 कम्युनिटी सेंटर कुरुक्षेत्र के रूप में हुई। सुभाष नगर परिषद थानेसर में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत लगा हुआ था। घटना शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे की है। घटना के वक्त सुभाष के दोनों बेटे और पत्नी घर पर मौजूद थे। मृतक के बेटे करण ने बताया कि वह घटना के वक्त टॉयलेट गया हुआ था। इसी बीच उसके पिता सुभाष चंद ने साइड के कमरे का दरवाजा बंद कर कुंडी लगा ली। दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने कुल्हाड़ी से दरवाजे की कुंडी तोड़ दी। अंदर जाकर देखा तो उसके पिता ने पंखे के साथ चुन्नी का फंदा बनाकर लटके हुए थे।

कुरुक्षेत्रः नहर से मिला लापता पेंटर का शव

कुरुक्षेत्र। इस्माईलाबाद से लापता हुए पेंटर का शव नरवाना ब्रांच नहर में बटेड़ा हेड से बरामद हुआ। 14 फरवरी को उसके नहर में गिरने की आशंका के चलते परिवार पहरा लगाकर बैठा था। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आज उसके शव का पोस्टमॉर्टम करवाएगी। मृतक की पहचान विजय कुमार (26) निवासी डल्ला माजरा के रूप में हुई है। विजय रंग-पुताई करने का काम करता था। 14 फरवरी को काम पर जाने के लिए निकला था। करीब 2 घंटे बाद कपड़े डल्ला माजरा गांव के पास नहर किनारे पर पड़े मिले थे।

यमुनानगर के पलाका में बनाया जा रहा फार्म

पोल्ट्री फार्म के विरोध में धरने पर डटे ग्रामीण

पोल्ट्री फार्म बनने से लोगों को प्रदूषण के कारण भयंकर बीमारियों का बढ़ सकता है खतरा

भाजपा नेता कांबोज ने आश्वासन दिया कि सीएम से बात करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

गांव पलाका में कथित रूप से लगभग ढाई एकड़ में बनाए जा रहे पोल्ट्री फार्म के निर्माण कार्य को बंद करवाए जाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने शनिवार को छठे दिन भी धरना प्रदर्शन किया। गांव के सैकड़ों लोगों ने धरना कमेटी के प्रधान एवं पूर्व सरपंच जागीर सिंह के नेतृत्व में धरना स्थल पर नारेबाजी की और प्रशासन से पोल्ट्री फार्म को तुरंत बंद करवाए जाने की मांग की। वहीं, पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका व भाजपा के वरिष्ठ नेता मास्टर सतपाल मंधार ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को अपना समर्थन किया। शनिवार को पलाका के सैंकड़ो ग्रामीण छठे दिन भी धरना प्रदर्शन कमेटी के प्रधान जागीर सिंह के नेतृत्व में धरना स्थल पर पहुंच गए और प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान उन्होंने सरकार व प्रशासन से पोल्ट्री फार्म के निर्माण कार्य को तुरंत बंद करवाए जाने की मांग की। मौके पर धरना प्रदर्शन कमेटी के प्रधान जागीर सिंह, सरपंच बलबीर सिंह, रंजीत सिंह पंच, शिवकुमार पंच व मेनपाल आदि ने बताया कि गांव में अवैध रूप से पोल्ट्री फार्म बनाए जाने के मामले को लेकर पूरा गांव एक है। गांव में कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री फार्म बनाए जाने के पक्ष में नहीं है। गांव में पोल्ट्री फार्म बनने से लोगों को प्रदूषण के कारण भयंकर बीमारियों का सामना पड़ सकता है। पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका व वरिष्ठ भाजपा नेता मास्टर सतपाल कांबोज ने ग्रामीणों को आवासन दिया कि मामले को लेकर वह मुख्यमंत्री से भी बात करेंगे।

ओ३म्
गुरुकुल कुरुक्षेत्र हरियाणा
स्थापित 1912
An ISO 9001:2015 Certified Institution
HARYANA'S NO. 1
Best Vintage Legacy Boys Boarding School by EW
ADMISSION OPEN 2026-27

प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन आमंत्रित
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 मार्च 2026
11 मार्च से 19 मार्च ₹1000/- विलम्ब शुल्क के साथ

प्रवेश परीक्षा तिथियां

कक्षाएं	परीक्षा तिथि
9वीं एवं 11वीं	20 मार्च 2026
7वीं एवं 8वीं	21 मार्च 2026
5वीं एवं 6वीं	22 मार्च 2026

नोट : प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों की काउंसलिंग अगले दिन होगी।
कक्षा 5वीं में केवल आर्यकुलम् नीलोखेड़ी में ही आवेदन स्वीकृत है।

Scan for REGISTRATION
JEE/ NEET/ NDA/ CLAT/ CUET
हेतु विशिष्ट मार्गदर्शन एवं करियर काउंसलिंग की उत्तम व्यवस्था

www.gurukulkurukshetra.com Kurukshetragurukul@gmail.com
99960-26310, 99960-26311, 01744-238048, 01744-238648

!! महायोगी गुरुगोरक्षनाथाय नमः!! !! श्री बाबा मस्तनाथो विजयतेतराम!!

गोरक्ष स्वरूप सिद्ध शिरोमणि
श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज

तपस्वी रणपहनाथ योगी जी

श्री बाबा मस्तनाथ मठ

तपस्वी मानधातानाथ योगी जी

BABA MASTNATH UNIVERSITY ROHTAK
विद्येयम् जन सेवनम्
बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
अस्थल बोहर, रोहतक

सादर आमंत्रण
18वीं सदी से चली आ रही परम्परानुसार
सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी की पुण्यस्मृति में लगने वाला

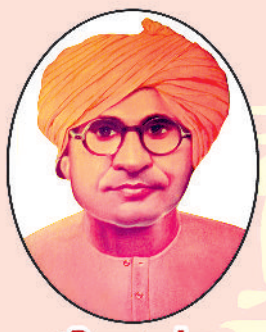

श्रीयुत महंत
श्रेयोनाथ जी महाराज
पूर्व स्वास्थ्य मंत्री, हरियाणा सरकार

सालाना मेला व भण्डारा

ब्रह्मलीन महंत
चाँदनाथ जी महाराज
पूर्व सांसद, अलवर

दिनांक : 23, 24 व 25 फरवरी, 2026

तदनुसार फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष : सप्तमी, अष्टमी, नवमी (सोमवार, मंगलवार, बुधवार) को मनाया जा रहा है।

इस बहुआयामी आध्यात्मिक मेले में आप सभी सहपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

अतः सभी महानुभाव, साधु-संत, योगी-संन्यासी, माता बहनें, बच्चे-बुजुर्ग
एवं श्रद्धालु, परिजन-पूरजन-स्वजन के साथ पहुँचकर मेले का आनन्द उठाएँ तथा बाबा जी की दिव्य कृपा और आशीर्वाद प्राप्त करें।

मेले के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

सर्कल कबड्डी
24 फरवरी, 2026

विशाल इनामी कुश्ती दंगल
25 फरवरी, 2026

महंत बालकनाथ योगी
गद्दीनशीन महंत श्री बाबा मस्तनाथ मठ, अस्थल बोहर, रोहतक-124021 (हरियाणा)
कुलाधिपति-बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय | विधायक-तिजारा एवं पूर्व सांसद, अलवर व पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा (राजस्थान)

खबर संक्षेप

कांग्रेस नेता ने ट्रेड डील का किया विरोध

करनाल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं किसान सेल के राष्ट्रीय संयोजक ललित बुटाना ने प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय ट्रेड डील पर कड़ा एतराज जताते हुए कहा कि वर्तमान स्वरूप में यह समझौता देश के कृषि क्षेत्र के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि यदि सस्ते विदेशी कृषि उत्पादों का आयात बढ़ा तो स्थानीय किसानों को अपनी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल पाएगा। इससे छोटे और मध्यम किसान आर्थिक संकट में घिर सकते हैं, जबकि बड़ी विदेशी कंपनियों और कॉरपोरेट घरानों को लाभ होगा। बुटाना ने केंद्र सरकार से मांग की कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते से पहले किसान संगठनों, कृषि विशेषज्ञों और राज्य सरकारों से विस्तृत विचार-विमर्श किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की शुरूआत

करनाल। वर्ष 1984 से कैथल में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा शाह अस्पताल अब करनाल में अपना मल्टी सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य परिसर शुरू कर चुका है। अल्फा इंटरनेशनल सिटी, जीटी रोड स्थित लगभग 65,000 वर्ग फुट क्षेत्र में विकसित इस परिसर में फिलहाल 70 बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसे भविष्य में 200 बिस्तरों तक विस्तारित करने की योजना है। अस्पताल में आपातकालीन सेवा, हृदय रोग उपचार, शल्य चिकित्सा एवं चिकित्सीय गहन देखभाल इकाई, स्तर-3 नवजात गहन देखभाल इकाई और पांच आधुनिक ऑपरेशन थियेटर स्थापित किए गए हैं। 3 टेस्ला एमआरआई, 128 स्लाइस सीटी स्कैन, उन्नत हृदय जांच प्रयोगशाला, डायलिसिस, एंडोस्कोपी और रक्त बैंक की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। अस्पताल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम.एस. शाह ने बताया कि "सर्बत दा भला" की भावना से प्रेरित यह पहल क्षेत्र में उन्नत चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करेगी। चिकित्सा निदेशक डॉ. हरजोत शाह सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम यहां सेवाएं दे रही है।

इंडिया इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर एक्सपो के समापन पर कृषि मंत्री ने किया स्टॉलों का अवलोकन

एक्सपो से किसान होंगे तकनीकी रूप से सशक्त : श्याम सिंह राणा

जिस गति से सरकार किसानों के हित में कार्य कर रही है, भारत 2047 से पहले ही विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल। तीन दिवसीय इंडिया इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर एक्सपो एवं राइस एंड ग्रेन एक्सपो के समापन समारोह में मौजूद मंत्री श्याम सिंह राणा व अन्य।

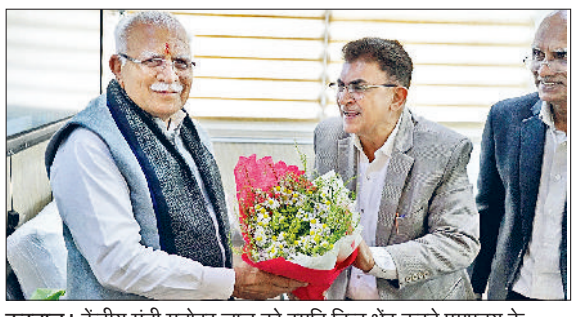

करनाल। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को स्मृति चिन्ह भेंट करते एमएचयू के कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा। *फोटो : हरिभूमि*

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा शनिवार को करनाल में आयोजित तीन दिवसीय इंडिया इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर एक्सपो एवं राइस एंड ग्रेन एक्सपो के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न राज्यों, विभागों और संस्थानों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा आधुनिक कृषि यंत्रों की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। पत्रकारों से बातचीत में कृषि मंत्री ने कहा कि यह एक्सपो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने विश्वास जताया कि जिस गति से सरकार किसानों के हित में कार्य कर रही है, भारत 2047 से पहले ही विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर एक्सपो में विभिन्न राज्यों से आई तकनीक और नवाचार किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ रहे हैं। जानकारी और तकनीक जितनी बढ़ेगी, किसान उतना ही उन्नत और समृद्ध बनेगा। धान खरीद में अनियमितता के सवाल पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि कानून सभी के लिए समान है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या भ्रष्टाचार पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विपक्ष की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि विदेशी मेहमानों की उपस्थिति के दौरान विपक्ष का व्यवहार अनुचित रहा है, जिससे जनता में रोष व्याप्त है। इस अवसर पर सीईओ प्रमोद कुमार सिरोहा, सहायक आयोजक बलिंद्र कुमार, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

मनोहर लाल ने एमएचयू का किया निरीक्षण

- निर्माण कार्य समय पर पूरा करने के दिए निर्देश

करनाल। मनोहर लाल, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य तथा ऊर्जा मंत्री, ने नेशनल हाईवे-44 स्थित महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी, करनाल का दौरा किया। विश्वविद्यालय पहुंचने पर कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। मंत्री ने मैन कैंपस में निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण कर कार्य को निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बागवानी विश्वविद्यालय क्षेत्र में फसल विविधीकरण और उन्नत तकनीकों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सरकार द्वारा फल, सब्जी एवं मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। भावांतर भरपाई योजना के माध्यम से किसानों को बाजार में गिरते दामों से राहत दी जा रही है। उन्होंने प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे जैव विविधता संरक्षण और लागत में कमी संभव है। कुलपति के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

सामुदायिक रेडियो सशक्तिकरण पर मंथन

करनाल। सामुदायिक रेडियो के 20 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित सम्मेलन में नीतियों, प्रक्रियाओं में सुधार और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। सम्मेलन में जम्मू-कश्मीर से लेकर उत्तर प्रदेश तक उत्तर भारत के लगभग 100 सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय से प्रोफेसर सुरेश वर्मा ने सम्मेलन में सहभागिता करते हुए कहा कि सामुदायिक रेडियो स्थानीय समुदायों को सशक्त आवाज प्रदान करता है और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने का सशक्त माध्यम है। हरियाणा से रेडियो अरावली के मनीष यादव, दादरी से प्रीतम सिंह, यमुनानगर से मनमोहन सिंह, अंबाला कैंट से भारत सोपारी, गौरव मार्तंड, राजपाल, इमरान, प्रीती, भारत, दीक्षा, अमित भाटिया तथा रेडियो ग्रामोदय के हिमांशु मेहता सहित अन्य प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। सम्मेलन में सामुदायिक रेडियो को और अधिक सशक्त एवं सरल बनाने के संकल्प को दोहराया गया।

आध्यात्मिक वातावरण में उज्ज्वल भविष्य की कामना

करनाल। सनातन धर्म बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना हेतु सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के विदाई समारोह के रूप में संपन्न हुआ। भक्तिमय माहौल में आयोजित पाठ ने पूरे विद्यालय परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम विद्यालय के प्रबंधक सुरेश पुरी और प्रधानाचार्य धनेश चंद्र डिमरी की देखरेख में हुआ। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन के नए अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच को सफलता की कुंजी बताया। प्रबंधक सुरेश पुरी ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में प्रबंध समिति के सदस्य, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। भावपूर्ण माहौल में समारोह का समापन हुआ।

सामाजिक न्याय मंत्री ने स्टॉलों का अवलोकन कर आधुनिक मशीनों में दिखाई अपनी रुचि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शनिवार को नई अनाज मंडी में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर एक्सपो एवं राइस एंड ग्रेन एक्सपो में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने बागवानी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग सहित विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का गहन अवलोकन किया और कृषि क्षेत्र में उपयोग होने वाली आधुनिक मशीनों के संचालन की जानकारी विशेषज्ञों से ली। मीडिया से बातचीत में मंत्री ने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय स्तर के एक्सपो किसानों और उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होते हैं। विभिन्न राज्यों से आई तकनीक और विचारों का आदान-प्रदान कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से किसानों को नई दिशा मिलती है और राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। विपक्ष पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष रचनात्मक भूमिका निभाए तो देश का मान-सम्मान बढ़ता है, लेकिन नकारात्मक राजनीति से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि प्रभावित होती है। कार्यक्रम में सीईओ प्रमोद कुमार सिरोहा, सहायक आयोजक बलिंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान और प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बुलेट के पटाखों से महिलाएं परेशान

तरावड़ी। तरावड़ी शहर में इन दिनों बुलेट मोटरसाइकिलों के तेज पटाखों की आवाज से आमजन खासे परेशान हैं। चौधरी मोहल्ला, धोबी मोहल्ला और गुरुद्वारा रोड के एरिया में रोजाना शाम के समय कुछ आवारा किस्म के युवक बिना नंबर प्लेट लगी बुलेट मोटरसाइकिलों पर सडक़ों और गलियों में तेज आवाज के साथ पटाखे बजाते हुए निकलते हैं, जिससे आसपास के निवासियों का जीना दूभर हो गया है। स्थानीय गली के लोगों का कहना है कि शाम होते ही इन युवकों का हुजूम गली-मोहल्लों में घूमना शुरू कर देता है। बुलेट के साइलेंसर में किए गए अवैध बदलाव के कारण तेज धमाकों जैसी आवाज निकलती है, जिससे छोटे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भयभीत हो जाते हैं। कई बार अचानक तेज आवाज से लोग चौंक जाते हैं।

गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

पुरानी अनाज मंडी के निकट स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। करनाल शहर सहित जिले में कुल आठ स्थानों पर ऐसे सम्मेलन संपन्न हुए। मुख्य वक्ता के रूप में संघ के विभाग प्रचारक संजय कुमार ने कहा कि हिंदू समाज को संगठित होकर अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत बनाना होगा। जब समाज राष्ट्रहित में एकजुट होकर कार्य करता है, तब हर चुनौती का सामना संभव है। सम्मेलन के दौरान सिखों के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के चारों साहिबजादों की अद्वितीय शहादत को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। वक्ताओं ने बताया कि मुगल शासनकाल में, जब शासक औरंगज़ेब था, तब साहिबजादों ने धर्म और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए प्राण न्यौछावर कर दिए। छोटे साहिबजादों को सरहिंद में जीवित दीवार में चुनवा दिया गया, किंतु उन्होंने धर्म परिवर्तन स्वीकार नहीं किया। वक्ताओं ने युवाओं से धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना से कार्य करने का आह्वान किया तथा पंच परिवर्तन, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर बल दिया। सम्मेलन में देशभक्ति गीतों व लोक संगीत की प्रस्तुतियों ने वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया।

करनाल। कथा का आनंद लेते भक्त। *फोटो : हरिभूमि*

फाल्गुण उत्सव में भजनों पर झूमे श्रद्धालु

करनाल। कर्ण नगरी के श्री खाटू श्याम मंदिर में 12 दिवसीय फाल्गुण उत्सव के दौरान भक्ति का अद्भुत वातावरण बना हुआ है। यह आयोजन श्याम सलोना कीर्तन मंडल की ओर से किया जा रहा है। प्रतिदिन सायंकाल तीन से चार घंटे तक संकीर्तन कर श्रद्धालु श्याम बाबा को रिझा रहे हैं।

हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों से पहुंचे भजन गायक श्याम बाबा की महिमा का गुणगान कर रहे हैं। बच्चे हाथों में निशान लेकर 'जय श्री श्याम' के जयकारे लगाते दिखाई दे रहे हैं। उत्सव के तीसरे दिन कपिल जुनेजा, ज्योति तमन्ना मुंजाल और भारत उमेश ने "सांसों में श्याम तुम ही बसते हो", "हमारी दौलत है खाटू वाला", "हमारी शोहरत है खाटू वाला", "इतनी कृपा सांवरे बनाए रखना", "म्हारे सिर पर घुमा दे थारी मोरछड़ी", "तुम न सुनोगे तो कौन सुनेगा" जैसे भजनों से श्रद्धालुओं को भक्तिभाव में सराबोर कर दिया।

एनएसएस कैंप में छात्रों को ग्राम विकास का महत्व बताया

- कृषि, पर्यावरण व स्वच्छता जागरूकता पर रहेगा विशेष फोकस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

सुंदरकांड पाठ के साथ 12वीं के विद्यार्थियों को दी विदाई। *फोटो : हरिभूमि*

नीलोखेड़ी हल्के के गांव रायसन में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय, कौल द्वारा आयोजित एक सप्ताह तक चलने वाले राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन अवसर पर विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और ग्रामीणों की उल्लेखनीय भागीदारी रही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईसीएआर–राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. दलीप गोसाईं ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे जीवन के महत्वपूर्ण दौर में हैं, जहां उनके ज्ञान और कौशल की मजबूत नींव रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि छात्र केवल कृषि वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के सशक्त स्तंभ भी हैं। उन्होंने कहा कि किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि पर्यावरण के संरक्षक भी हैं। "जब गांव सशक्त होंगे, तभी देश मजबूत बनेगा।" उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, डिजिटल साक्षरता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में गांव-गांव जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। डॉ. गोसाईं ने प्राकृतिक खेती, टिकाऊ कृषि, जल संरक्षण और मिट्टी की उर्वरता जैसे विषयों पर प्रकाश डालते हुए रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त की। विशिष्ट अतिथि डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. आर.के. यादव ने विद्यार्थियों को शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. मेहर चंद ने रोजगार सृजन, आत्मनिर्भरता और सामुदायिक सेवा को युवाओं की प्राथमिकता बनाने पर बल दिया। एनएसएस समन्वयक डॉ. चरण सिंह ने सप्ताहभर की गतिविधियों की जानकारी दी और धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

तरावड़ी। कथा आयोजक संजय बंसल व सदस्यों के साथ कथा की जानकारी देते हुए।

22 फरवरी से 1 मार्च तक चलेगी श्रीमद्भागवत कथा

तरावड़ी। बंसल परिवार की ओर से शहर में 22 फरवरी से 1 मार्च तक भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को प्रातः 9 बजे से नगर खेड़ा से कलश यात्रा निकाली जायेगी जोकि नगर पालिका रोड़ पर कथा स्थल पर संपन्न होगी। यह पावन कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक आयोजित होगी। कथावाचक पूज्य कथा व्यास यशस्वी वक्ता आरती किशोरी श्रीधाम वृंदावन वाले अपनी मधुर वाणी से श्रद्धालुओं कथा का रसपान करायेंगी। कार्यक्रम का आयोजन रोड धर्मशाला, नगर पालिका के नजदीक तरावड़ी में किया जाएगा। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का विस्तार से वर्णन किया जाएगा।

747 अफीम के पौधों के साथ आरोपी दबोचा , तीन दिन के रिमांड पर भेजा

- सीआईए असंध टीम की बड़ी कार्रवाई,
- घर और खेत से 8 किलो 170 ग्राम नशीला माल बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला पुलिस करनाल को बड़ी सफलता मिली है। सीआईए असंध की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को भारी मात्रा में अफीम के पौधों सहित गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सीआईए असंध इंचार्ज उप निरीक्षक सुलिंदर सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत सहायक उप निरीक्षक दलीप सिंह की अगुवाई में छापेमारी करते हुए आरोपी गुरप्रीत पुत्र गहाल सिंह, निवासी डेरा कमालपुर, करनाल को काबू किया। तलाशी के दौरान आरोपी के घर और खेतों से उगाए गए कुल 747 अफीम के नशीले पौधे बरामद किए गए। बरामद पौधों का कुल वजन 8 किलो 170 ग्राम पाया गया। पुलिस ने मौके पर ही सभी पौधों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। जांच अधिकारी के अनुसार आरोपी के खिलाफ थाना बुटाना में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर तीन दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपी से पूछताछ कर नशा तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जाएगी।

कृष्ण कुमार निर्माण को अंतरराष्ट्रीय सम्मान

करनाल। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर करनाल (हरियाणा) के प्रसिद्ध साहित्यकार एवं शिक्षाविद कृष्ण कुमार निर्माण को नेपाल की राजधानी काठमांडू की प्रतिष्ठित संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन नेपाल द्वारा 'मातृभाषा रत्न' अंतरराष्ट्रीय मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। समारोह का मुख्य उद्देश्य नेपाल-भारत मैत्री संबंधों को सुदृढ़ करना, देवनागरी लिपि के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ हिंदी-नेपाली जैसी मैत्री भाषाओं का वैश्विक प्रचार-प्रसार करना रहा। इस अवसर पर नेपाल, भारत सहित पाँच देशों की लगभग एक हजार साहित्यिक एवं शैक्षिक प्रतिभाओं को 'मातृभाषा रत्न' मानद उपाधि तथा 'मातृभाषा गौरव' सम्मान से अलंकृत किया गया। कृष्ण कुमार निर्माण को उनके उल्लेखनीय साहित्यिक, शैक्षिक एवं सामाजिक योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्राकृतिक चिकित्सा से रोगों की रोकथाम पर रहेगा फोकस

करनाल-इंद्री रोड पर स्थापित होगा श्री आत्म मनोहर जैन निरामय केंद्र

- केंद्र का उद्देश्य वर्तमान बीमारियों में राहत देने के साथ भविष्य में संभावित रोगों से बचाव सुनिश्चित करना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल-इंद्री रोड पर प्राकृतिक वातावरण में "श्री आत्म मनोहर जैन निरामय केंद्र" की स्थापना की जा रही है, जहां प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से शरीर की शुद्धि और रोगों की रोकथाम पर कार्य किया जाएगा। केंद्र का उद्देश्य वर्तमान बीमारियों में राहत देने के साथ भविष्य में संभावित रोगों से बचाव सुनिश्चित करना है।

करनाल। जैन निरामय केंद्र की प्रस्तावित इमारत का दृश्य।

दूषित खानपान और बदलती जीवनशैली के कारण उत्पन्न पेट, जोड़, सांस, अम्लता, दर्द, कमजोरी, तनाव, अनिद्रा और थकावट जैसी समस्याओं का उपचार पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश तत्वों पर आधारित पद्धतियों से किया जाएगा। अनुभवी चिकित्सकों के मार्गदर्शन में जल चिकित्सा, भाप चिकित्सा, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, मिट्टी उपचार, योगासन, प्राणायाम, ध्यान, मंत्र उपचार, रंग चिकित्सा, ओजोन थेरेपी तथा आंत शोधन जैसी विधियों का प्रयोग किया जाएगा। केंद्र में अत्याधुनिक शरीर जल मापक यंत्र, नाड़ी जांच के लिए नाड़ी तरंगिनी और आभामंडल निरीक्षण यंत्र जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। पांच मंजिला भवन में 25 वातानुकूलित आवास कक्ष, 35 उपचार कक्ष और भोजनशाला की व्यवस्था की जा रही है। प्रसिद्ध नेचुरोपैथ डॉ. कृष्ण मौर्य मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं देंगे।

प्रबंधन बैठक प्रेरक भारत संत गव श्री पीयूष मुनि के सान्निध्य में आयोजित की गई। केंद्र का शुभारंभ 30 मार्च को दत्तात्रेय होसबोले द्वारा भव्य समारोह में किया जाएगा।

खबर संक्षेप

छत से गिर कर श्रमिक गंभीर

पानीपत। पानीपत के गांव कुराड़ स्थित सर्व इंडिया फैक्ट्री में टीन की बनी छत पर रखे सोलर पैनल की सफाई करने के लिए 28 वर्षीय श्रमिक शेखर मूल निवासी कैराना, जिला शामली, उत्तर प्रदेश तीस फुट की ऊंचाई से नीचे जमीन पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल शेखर का गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में उपचार चल रहा है। जहां उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है और शेखर की हालत बहुत ही चिंताजनक बनी हुई है।

इसराना में बनेगा सचिवालय

पानीपत। इसराना सब डिवीजन में लघु सचिवालय के निर्माण के लिए इसराना की ग्राम पंचायत ने 6.5 एकड़ भूमि सरकार को उपलब्ध करा दी है। यह जमीन इसराना-समालखा रोड पर चिन्हित की गई है। इस सचिवालय के बनने से इसराना के 32 और मतलौड़ा ब्लॉक के 34 सहित कुल 66 गांवों के लोगों को एक ही छत के नीचे सभी सरकारी सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उन्हें सरकारी कार्यों के लिए बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। स्मरणीय है कि गत वर्ष ही प्रदेश सरकार ने इसराना को सब डिवीजन बनाया था।

कट्टे के साथ आरोपी गिरफ्तार किया

पानीपत। सीआईए थ्री पुलिस टीम ने छाजपुर गंदा नाल पटरी पर शुभम उर्फ जाहरी पुत्र राजेंद्र निवासी छाजपुर कलां जिला पानीपत को अवैध देसी पिस्तोल के साथ गिरफ्तार किया। थानेदार सीआईए थ्री विजय ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में बताया उक्त अवैध देसी पिस्तौल उसे करीब पांच महीने पहले छाजपुर गंदा नाला की पटरी पर पड़ा मिला था। इधर, आरोपी शुभम उर्फ जाहरी के खिलाफ थाना सनौली खुर्द में आर्म्स एक्ट के तहत के दर्ज करवाया गया है।

विद्यार्थियों व अभिभावकों का मार्गदर्शन किया

पानीपत। प्रयाग इंटरनेशनल स्कूल गांव सिवाह, पानीपत में अभिभावकों के लिए एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। वहीं कमलेश महिंद्रो, सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर और पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, पटियाला, पंजाब ने विद्यार्थियों व अभिभावकों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर स्कूल डायरेक्टर अंजु गुप्ता, प्राचार्या ममता सचदेवा, उप प्राचार्य अशोक कुमार, अलका बत्रा, स्कूल के वाइस चेयरमैन कार्तिक शर्मा आदि उपस्थित रहे।

स्कूल के सामने गंदे पानी का तालाब बना

पानीपत। पानीपत के इसराना में रामनारायण सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सामने गंदे पानी का तालाब बन गया है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने इस संबंध में कई बार एसडीएम से शिकायत भी की है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

जमस की कार्यशाला हुई

समालखा। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति द्वारा गांव राक्सेडा गांव में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पायल ने की और संचालन जिला सचिव दीपिका ने किया।

बॉक्सिंग चैंपियनशिप में नितिन, निशांत, रितेश, प्रशांत ने कांस्य पदक जीते

तरक्की की राह है समयबद्धता, धैर्य अनुशासन और मेहनतः डॉ. अरोड़ा

पानीपत। एसडी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा के साथ विजेता खिलाड़ी।

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय इंटर-कॉलेज बॉक्सिंग चैंपियनशिप में एसडी पीजी कॉलेज के बॉक्सर्स नितिन, निशांत, रितेश, प्रशांत ने कांस्य पदक जीते। वहीं, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की इंटर कॉलेज कराटे चैंपियनशिप में 60 किलोग्राम भारवर्ग में विशाल ने कांस्य, 67 किलोग्राम भारवर्ग में सचिन ने स्वर्ण, 84 किलोग्राम भारवर्ग में लकी ने कांस्य, 84 किलोग्राम भारवर्ग में दीपांशु ने स्वर्ण और 68 किलोग्राम भारवर्ग में साक्षी ने कांस्य पदक जीते है। वहीं, विजेता खिलाड़ियों नितिन, निशांत, रितेश, प्रशांत, विशाल, सचिन, लकी, दीपांशु, साक्षी का कॉलेज पहुंचने पर कॉलेज के प्रधान दिनेश गोयल, प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा, शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्षा डॉ. सुशीला बेनीवाल, कोच अंकुश मलिक, प्रो नीलम आदि ने जोरदार स्वागत किया और उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया। समयबद्धता, धैर्य, अनुशासन, मेहनत तरक्की की राह है।

कॉलेज प्रशासन द्वारा दी जाएगी सुविधाएं

प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा ने कहा कि जीवन में खेल हो या करियर या अन्य कोई कार्य वह तभी सफल होता है जब इंसान में समयबद्धता, धैर्य, अनुशासन व मेहनत करने की क्षमता हो। उन्होंने आश्वास दिया कि विजेता खिलाड़ियों को भविष्य में भी आगे बढ़ने के समुचित अवसर और सुविधाएं कॉलेज प्रशासन द्वारा दी जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया

■ आर्य कॉलेज में अंतराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर अंतर्विभागीय व्याख्यान का आयोजन हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

आर्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा संचालित हिंदी साहित्य परिषद द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य पर अंतर्विभागीय व्याख्यान कार्यक्रम हुआ। यह व्याख्यान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार बीए तृतीय वर्ष के षष्ठम सत्र में वीओसी पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिंदी पत्रकारिता विषय पर आधारित रहा। मुख्य वक्ता महाविद्यालय से जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष एवं सहायक प्राध्यापक डॉ.दिनेश ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

पानीपत। आर्य कॉलेज के जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ .दिनेश को स्मृति चिंह भेंट करते हुए प्रो विजय सिंह। फोटो: हरिभूमि

पत्रकारिता एक महत्वपूर्ण विधा

प्राचार्य एवं हिंदी साहित्य परिषद के संरक्षक प्रो.डॉ.जगदीश गुप्ता ने परिषद की गतिविधियों के प्रति आशावादी दृष्टिकोण रखते हुए परिषद को साहित्यिक एवं रचनात्मक समझ विकसित करने का सशक्त मंच बताया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता एक महत्वपूर्ण विधा है। भारत में हिंदी भाषा का प्रथम समाचार पत्र 30 मई 1826 को उदंत मार्तंड प्रकाशित हुआ। इस प्रथम समाचार पत्र के आधार पर इस वर्ष 30 मई को हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं।

खनन रोकने गई टीम पर हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

पानीपत के गांव गांव लुहारी में अवैध खनन रोकने गई हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो (एचएसईएनबी) की टीम पर अवैध खनन करने वालों ने हमला बोल दिया और अवैध तरीके से मिट्टी लेकर जा रहे वाहन को जबरन छुडवा कर अपने साथ ले गए। वहीं, एचएसईएनबी की टीम में तैनात सब इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार की शिकायत पर थाना इसराना पुलिस ने मदनलाल, गाड़ी मालिक बारू इनके पांच अज्ञात साथियों पर सरकारी ड्यूटी में बाधा डालने, पुलिस हिरासत से गाड़ी छीनने और अवैध खनन की धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इधर, एसआई सुरेंद्र ने बताया कि 20 फरवरी को वे अपनी टीम हैड कांस्टेबल अमनदीप, सिपाही बलराम और अमिताब के साथ नौल्था क्षेत्र में खनन चेकिंग ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान सूचना मिली कि गाड़ी नंबर एचआर63ई4384 गांव लुहारी के खेतों से बिना किसी ई-रवाना या अनुमति के मिट्टी उठा रही है।

नहर से मिला किशोर का शव

पानीपत। दिल्ली पेरलल नहर के पानी में लापता हुए 13 वर्षीय अल्तमश निवासी बत्रा कॉलोनी का शव गांव नरायणा के पास से नहर से बरामद हुआ। पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाया। पुलिस ने परिजनों से शव की शिनाख्त करवाई और पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल भिजवा दिया। पुलिस ने अल्तमश के परिजनों के बयान दर्ज किए और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप कर इस मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस की जांच में पता चला कि अल्तमश दोस्तों के साथ नहर पर गया था और पानी में बहर रहे नारियल का निकालते के चक्कर में वह नहर में बह गया था।

ग्रामीण अंचल को आत्मनिर्भर बना रही मोदी सरकारः लाल

पानीपत। केंद्रीय विद्युत एवं आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने पानीपत के गांव नौल्था में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट कहा कि मोदी सरकार का उद्देश्य गांवों को आत्मनिर्भर और सुविधायुक्त बनाना है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने गांव नौल्था स्थित ग्राम सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में ग्राम विकास कमेटी के सदस्यों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। समीक्षा बैठक में पांच सदस्यीय कमेटी के सदस्य सरपंच बलराज सिंह जागलान, सुनील कपूर, सोनू शर्मा, आशीष जागलान, राजेश जागलान, फूल सिंह, राम भगत सिंह, नौल्था डुंगरान के सरपंच पति नीरज कौशिक, महंत बाबा लाठे वाले और राजकुमार जांगड़ा ने गांव में सीवरेज व्यवस्था लागू कराने, नाले की मरम्मत, स्टेडियम निर्माण, अधूरे कम्यूनिटी हॉल, बीसी चौपाल के लिए भी फंड उपलब्ध करवाने की मांग उठाई गई। मंत्री मनोहर ने सभी मांगों पर सकारात्मक विचार का आश्वासन दिया। वहीं, मंत्री मनोहर ने गांव में जनसुनवाई की और ग्राम सचिवालय में संचालित सिलाई केंद्र और शमशान घाट का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि गजेंद्र सलूजा, भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट आदि उपस्थित रहे।

राहुल गांधी का पुतला फूंका

■ एआई सम्मेलन में विदेशी मेहमानों के समक्ष कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन देशविरोधी हरकत : विज

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

दिल्ली में आयोजित एआई सम्मेलन के दौरान विदेशी मेहमानों के समक्ष कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए प्रदर्शन के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया और नेता विपक्ष राहुल गांधी का पुतला जलाया। भाजयुमो के जिलाध्यक्ष अमित पंडित ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। जब पूरा विश्व भारत की तकनीकी प्रगति, डिजिटल क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में बढ़ती शक्ति को सराह रहा है, उस समय देश के भीतर की राजनीतिक विरोध भावना को विदेशी मंच पर प्रदर्शित करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा के युवा नेता राहुल विज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास विरोध की राजनीति से भरा हुआ है।

पानीपत। लाल बत्ती चौक पर राहुल गांधी का पुतला जलाते हुए भाजयुमोजन।

भारत की प्रतिष्ठा से कोई समझौता नहीं

आज का भारत आत्मनिर्भरता, नवाचार और तकनीकी नेतृत्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में इस प्रकार का प्रदर्शन देश की प्रगति को बाधित करने वाला कदम है। युवा मोर्चा देश की एकता, अखंडता और सम्मान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगा। प्रदर्शन के दौरान युवा मोर्चा पानीपत के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि राष्ट्र सर्वोपरि है और भारत की प्रतिष्ठा से कोई भी समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

धन दोगुना करने का झांसा देकर 1.56 करोड़ ठगे

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

पानीपत में महिला समेत छह लोगों ने भोले भाले नागरिकों को धन दुगना करने। झांसा देकर उनसे 1 करोड़ 56 लाख रुपये ठग लिए। इधर, पीड़ितों ने इस मामले की शिकायत हरियाणा पुलिस के महानिदेशक यानि डीजीपी से की। वहीं, डीजीपी के आदेश पर थाना मतलौडा पुलिस ने शिकायतकर्ता मुकेश निवासी गांव नरायणा जिला पानीपत की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं मुकेश ने बताया कि करीब एक साल पहले सतपाल, सोनिया, संदीप, समुंद्र, जितेंद्र और विजय सिवाह नामक व्यक्तियों ने अपना गिरोह बनाकर और भोले-भाले लोगों को धन दुगना करने का झांसा दिया। आरोपियों ने 50 हजार रुपये देने पर एक साल में एक लाख रुपये वापस देने का वादा कर नागरिकों के साथ ठगी शुरू की। पीड़ितों सोमवीर व धर्मवीर निवासी गांव मतलौडा, प्रदीप निवासी गांव शेरा, अजय व रणबीर निवासी गांव कवि, सतबीर, लक्ष्मी, रेशमा, सावित्री निवासी गांव शेखपुरा जिला करनाल, कार्तिक आचार्य, रोहताश, बजिन्द्र, राजिन्द्र निवासी गांव पसीना व संदीप निवासी गांव बिहौली ने बताया कि आरोपी संदीप, सोनिया और सतपाल ने जाटल रोड स्थित रामनगर में करोड़ों रुपए की आलीशान कोठी बना ली है और अब लग्जरी गाड़ियों में घूम रहे हैं।

डीजीपी के आदेश पर थाना मतलौडा ने महिला समेत छह पर केस दर्ज किया

गोयनकंस के साथ धमाल किया

पानीपत। दिव्य स्पेशल स्कूल के बच्चों के साथ गोयनकंस।

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

■ चेयरमैन अतुल जैन ने भगवान से सब बच्चों के लिए प्रार्थना कर उनको स्टेशनरी का सामान वितरित किया

जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल में दिव्य स्पेशल स्कूल के विद्यार्थियों ने भ्रमण किया। गोयनकंस ने उनको तिलक लगाकर और फूलमालाएं पहना कर स्वागत किया, उनके साथ फोटो खिंचवाई तो उनके चेहरे पर खुशी नजर आई। बच्चों को जलपान करा खेल के मैदान, म्यूजिक रूम, डांस रूम ले जाया गया। बच्चों ने वॉलीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, पिलो पासिंग खेल खेले और नाच गाना किया व इनाम भी जीते। गोयनकंस और दिव्या बच्चों ने आपस में खूब सहयोग भावना दिखाई बच्चों ने शिक्षिकाओं के साथ खाना खाया खूब मस्ती की जिसमें गोयनकंस ने खूब साथ दिया। विद्यालय के चेयरमैन अतुल जैन ने भगवान से सब बच्चों के लिए प्रार्थना कर उनको स्टेशनरी का सामान वितरित किया। डायरेक्टर मधु अग्रवाल व प्रधानाचार्या रेणुका अनेजा ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन युवराज जैन, सीए कमल किशोर, एडवाइजर मुस्कान जैन आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं खेल

■ आईबी कालेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया अपना दम

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

आईबी स्नातकोत्तर महाविद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। वहीं, यह प्रतियोगिता सिवाह के एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्या डॉ.शशि प्रभा मलिक द्वारा किया गया। शारीरिक शिक्षा प्रभारी डॉ.राजेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में बडी संख्या में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया तथा विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक प्राप्त किए। प्रतियोगिता में रनिंग, जंपिंग और थ्रोईंग तीनों तरह की गतिविधियाँ हुई। डॉ.राजेश ने बताया कि प्रतियोगिता में सर्वाधिक पदक जीतने पर अंशिका बीए तृतीय वर्ष को बेस्ट एथलीट लडकी वर्ग में तथा गुरमीत बीए तृतीय वर्ष को बेस्ट एथलीट लडके वर्ग में चुना गया।

पानीपत। आईबी कॉलेज में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक। फोटो: हरिभूमि

खेल हमारी जीवनशैली को भी सुधारते है

महाविद्यालय की प्रबंधक समिति के सदस्य युधिष्ठिर मिगलानी, प्राचार्या डॉ.शशि प्रभा मलिक तथा डॉ.सुनित शर्मा ने विजेता खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया। प्राचार्या डॉ.शशि प्रभा मलिक ने कहा कि खेलों से विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक तथा सामाजिक विकास को बढ़ावा मिलता है। खेल हमारी जीवनशैली को भी सुधारते हैं। प्रतियोगिता को सफल बनाने में डॉ.प्रवीण कुमार, खेल कमेटी इंचार्ज डॉ.सुनीता ढांडा, डॉ.जोगेश, सहायक प्रो.नीतू, डॉ.बिजेंद्र सहरावत, सहायक प्रो.रवि, सुपरवाइजर रवि एवं सेवादार उषा का अहम योगदान रहा।

मानवता का संदेश देता है सहस्त्र गीता कंठनादः गुप्ता

■ धर्मनगरी कुरुक्षेत्र की पावन धरती पर 27 व 28 मार्च को गूंजेगा सहस्त्र गीता कंठनाद

हरिभूमि न्यूज ⏭समालखा

समालखा। एलएनटी कॉलेज में मां सरस्वती का पूजन करते हुए शिक्षाविद् मीनाक्षी गुप्ता आदि।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर सुनीता खन्ना, ममता वर्मा व डॉ.राजेश भारद्वाज, सीमा गोयल, मीनू गोयल, डॉ.बलजीत, डॉ. दर्शन धीमान, डॉ.सुदेश हुड्डा, सोनिया बंसल, कमल शर्मा, सत्यनारायण, गोविंद व प्रदीप आदि मौजूद रहे।

धर्मनगरी कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर आयोजित होने वाले 27, 28 मार्च को सहस्त्र गीता कंठनाद महाआयोजन की तैयारियों को लेकर एलएनटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में पत्रकार वार्ता का आयोजन हुआ। वहीं, मनीषा वत्स बताया कि कुरुक्षेत्र की भूमि से होने वाला यह सहस्त्र गीता कंठनाद केवल एक आयोजन मात्र नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति, गौरवशाली इतिहास और सनातन मूल्यों के पुनर्जागरण का एक ऐतिहासिक क्षण सिद्ध होगा। कॉलेज की चेयरपर्सन उत्तरांचल प्रभारी गीता परिवार, मुख्य साध्वी संपर्क हरियाणा प्रांत, श्री बांके बिहारी ज्ञानेश्वर मंदिर व श्री कृष्ण वेद विद्यालय पानीपत की सचिव मीनाक्षी गुप्ता ने कहा कि सहस्त्र गीता कंठनाद समाज में नैतिक चेतना को जागृत करने का विराट अभियान है।

स्वास्थ्य जांच केंद्रीय मंत्री ने श्री रघुनाथ धाम में लैब व डायग्नोस्टिक सेंटर का शुभारंभ किया

मानवता की सेवा को और विस्तार दें समर्थ नागरिकः लाल

पानीपत। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का स्वागत करते हुए रमेश माटा। फोटो : हरिभूमि

■ सरबत दा भला के एसपी सिंह ओबराय ने कहा कि उनके जीवन का उद्देश्य है कि इलाज से कोई वंचित न रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने दशहरा कमेटी सनौली रोड एवं सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से हुडा सेक्टर 25 स्थित श्री रघुनाथ धाम में सन्नी ओबराय क्लीनिक लैब एवं डायग्नोस्टिक सेंटर का शुभारंभ किया। वहीं, सरबत दा भला के एसपी सिंह ओबराय ने कहा कि उनके जीवन का उद्देश्य है कि इलाज से कोई वंचित न रहे। अपनी कमाई का 98 प्रतिशत दान करने वाले एसपी सिंह ने कहा कि वह अभी तक लगभग 350 डायग्नोस्टिक सैंटर खोल चुके हैं जहां लाखों लोग उचित दर पर स्वास्थ्य जांच का लाभ उठा रहे हैं।

मौके पर ये मौजूद रहे

प्रधान रमेश माटा ने कहा कि दशहरा कमेटी सनौली रोड का प्रयास रहा है कि दशहरा पर्व मनाने से शुरू हुई संस्था को मानव कल्याण के कार्यों से जोड़ते हुए इसे और सामाजिक संदर्भों में सार्थक किया जाए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, उपाध्यक्ष नवीन भाटिया, वेद बांगा, कैलाश नारंग, सरबत दा भला पानीपत के अध्यक्ष हरविन्द्र सिंह, मेयर कोमल सैनी, हरपाल ढांडा, उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया, एसपी भूपेंद्र सिंह, गजेंद्र सलूजा, राहुल विज, वीरेंद्र सोनी, विभु पालीवाल, कृष्ण गोपाल सेठी, प्रीतम गुलाटी, हरिओम तायल, हरचरण सिंह धम्मू, अशोक बांगा, स. भूपेंद्र सिंह, अवनीत कौर, पुरूषोत्तम शर्मा, डा. रमेश चुघ, विजय सहगल, चमन गुलाटी आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

धमकी देने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। डरा धमकाकर पैसे मांगने के मामले में सीआईए नारायणगढ़ ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बराड़ा के पवन कुमार ने 13 फरवरी 2026 को एक शिकायत दर्ज करवाई थी। उसका आरोप था कि आरोपियों ने उनसे अवैध रूप से पैसों की मांग की है। मांग पूरी न होने पर अंजाम भुगतने व जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत केस दर्ज कर आरोपियों काबू किया है। आरोपियों की पहचान दिलीप कुमार, विक्की व हैप्पी के तौर पर हुई है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

अंबाला। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (हालसा) के निर्देशानुसार शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), अंबाला द्वारा कानूनी सहायता रक्षा वकील (एलएडीसी) और फ्रंट ऑफिस के रिटेनर्स के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण एवं रिफ्रेशर कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्थानीय एडीआर सेंटर के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, डीएलएसए परवीन ने संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित वकीलों का मार्गदर्शन किया।

11 ग्राम हेरोइन के साथ आरोपी पकड़ा

अंबाला। एएनसी स्टाफ ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टांगरी बांध क्षेत्र से आरोपी को नशीले पदार्थ सहित काबू किया। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से 11 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। आरोपी के खिलाफ थाना महेश नगर में मामला दर्ज कर लिया गया है।आरोपी की पहचान नितिन कुमार के रूप में हुई है 1 एएनसी इंचार्ज निरीक्षक ऋषिपाल ने बताया कि अपराध और नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। सूचना मिलते ही तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोचा गया। उन्होंने बताया किआरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान गहन पूछताछ की जाएगी ताकि इस नेटवर्क में संलिप्त अन्य आरोपियों का पता लगाकर उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जा सके।

नकदी चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज नकद राशि चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी सन्नी सिंह को गिरफ्तार किया है। पीड़ित महिला ने 22 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 21 मई 2025 को आरोपी ने खत्रवाड़ा में स्थित उसके घर का ताला तोड़कर 15 हजार की नकद राशि चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

बुजुर्गों की पेंशन बहाली पर विजय दिवस मनाया

अंबाला। इनेलो जिला पदाधिकारियों ने विश्राम गृह में विजय दिवस मनाया। यह विजय दिवस बुढ़ापा पेंशन को दोबारा बहाल करने पर मनाया गया। इस मौके पर इनेलो प्रदेश महासचिव प्रकाश भारती व जिलाध्यक्ष जगमाल सिंह रोलों उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार की ओर से बीते दिनों आय सीमा के आधार पर हजारों बुजुर्गों की पेंशन में कटौती करने का काम किया था। इस कारण प्रदेश में बुजुर्गों के सम्मान को ठेस पहुंची थी। इनेलो राष्ट्रीय सुप्रीमो अभय चौटाला ने इस मुद्दे को बड़े स्तर पर उठाते हुए सरकार को बड़े आंदोलन की चेतावनी दी थी।

पीएमएवाई की किस्त नहीं आने वालों के लिए मौका

उचाना। नपा एरिया उचाना में 2017 में पीएम आवास योजना के तहत फार्म भरने वालों की दूसरी, तीसरी किस्त खाते में नहीं आने वालों के लिए अच्छी खबर है। नपा सचिव अशोक डांगी ने बताया कि नपा एरिया में 2017 में पीएमएवाई के फार्म भरे गए थे। जिनकी दूसरी, तीसरी किस्त बाकी है वो दो-दो दिन के अंदर नपा कार्यालय के कमरा नंबर 10 में कर्मचारियों से मिले ताकि जो कमी उनकी किश्त नहीं आने में आ रही है।वो कमी पूरी हो उनको योजना का लाभ मिल सके।

एसडीएम कैंट ने अधिकारियों के साथ मौके का किया मुआयना

रिंग रोड से खेतों में रास्ता देने को लेकर बनी सहमति

किसानों ने एसडीएम को अपनी समस्या से करवाया अवगत, सहमति के बाद किसानों का धरना समाप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

रिंग रोड से किसानों को खेतों में जाने को लेकर चल रहा विवाद सुलझ गया। एसडीएम अंबाला कैंट और एनएचएआई के अधिकारियों ने किसानों के साथ दो घंटे तक मौके का मुआयना किया। किसानों ने जलभराव, खेतों को रास्ता न देने जैसे स्थानों पर अधिकारियों को हालात दिखाए। इसके बाद अधिकारियों ने मंथन कर किसानों को एक खेत से दूसरे खेत में जाने के लिए रास्ता देने पर सहमति जता दी। इसके साथ ही जलभराव के उपाय भी करने का आश्वासन दिया है। अधिकारियों के आश्वासन के बाद किसानों ने धरना समाप्त कर दिया। एनएचएआई ने दो महीने बाद काम दोबारा से शुरू कर दिया है। रिंग रोड परियोजना और अंबाला-शामली राष्ट्रीय राजमार्ग आपस में मिल रहे हैं। दोपहर साढ़े 12 बजे एसडीएम विनेश कुमार एनएचएआई के अधिकारियों व पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। यहां से भारतीय किसान यूनियन चढ़नी गुट के जिला प्रधान मलकीत सिंह के साथ अधिकारी सपेहड़ा में विभिन्न स्थानों पर पहुंचे। मलकीत सिंह ने दिखाया कि पिछले दिनों आई बारिश से किसानों की फसल जलमग्न होकर खराब हो गई हैं। उन्होंने बताया कि सपेहड़ा से लेकर सद्दोपुर तक ऐसा ही फसलों को नुकसान हुआ है। अभी भी पानी खेतों से निकला नहीं है। ऐसे में एनएचएआई के अधिकारियों ने कहा कि इन स्थानों पर वह लाइन डालने का काम करेंगे। भविष्य में यह दिक्कत नहीं आएगी। किसानों ने दिखाया कि रिंग रोड में उन्होंने जमीन सरकार को दी है। रिंग रोड के दोनों तरफ उनके खेत पड़ रहे हैं। इसे पार करने का कोई रास्ता नहीं है, ऐसे में किसान अपने खेतों में कैसे जाएंगे। इस पर अधिकारियों ने विशेष स्थानों को चिह्नित कर वहां से निकलने का रास्ता देने का आश्वासन दिया है। मगर यह विकल्प उन्हीं स्थानों पर होगा जहां दोनों तरफ संबंधित किसान के खेत हैं।

1. निजी क्षेत्र की भागीदारी से भारत आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनेगा
2. अधिकारियों ने स्थान चिह्नित कर वहां से रास्ता देने का दिया आश्वासन

अंबाला। किसानों के साथ मौके का मुआयना करते एसडीएम व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हर हाल में इसी साल काम पूरा करना होगा

अंबाला रिंग रोड परियोजना और अंबाला-शामली राष्ट्रीय राजमार्ग को इस साल एनएचएआई को हर हाल में पूरा करना है। अंबाला-शामली राष्ट्रीय राजमार्ग तो भारतमाला परियोजना का हिस्सा है, जिसकी पीएमओ निगरानी कर रहा है। रिंग रोड पर 65 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। बीते दो महीनों से सपेहड़ा में डेढ़ किलोमीटर के हिस्से के काम को इन समस्याओं के कारण किसानों ने रोक दिया था, जिसका अब समाधान हो गया है। किसानों का कहना है कि उनके खेतों के बीच से रिंग रोड परियोजना गई है। अब हम अपने खेतों में नहीं जा पा रहे हैं। रिंग रोड के दोनों तरफ हमारे खेत पड़ते हैं। किसानों ने बताया कि इसकी वजह से खेतों में पानी भरा हुआ है। यहां जलभराव के लिए स्थायी समाधान चाहिए। सर्विस लेन बन जाए तो काफी अच्छा होगा। एनएचएआई के डीएम विशाल ने बताया कि किसानों की समस्याओं पर गौर करते हुए मंथन करने के बाद समाधान दे दिया है। अब परियोजना पर काम शुरू हो गया है।

समाज सेवा से राष्ट्रहित में योगदान देने का दिया संदेश

बराड़ा। कैंप का उद्घाटन करते हुए प्रिंसिपल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

- एमपीएन कॉलेज में एनएसएस की ओर से सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

एमपीएन कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम सिरसगढ़ में सात दिवसीय विशेष शिविर का भव्य शुभारंभ उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ॰ राजश्री खरे ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम सिरसगढ़ के सरपंच रामनाथ उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

अपने प्रेरणादायक संबोधन में प्राचार्या डॉ॰ राजश्री खरे ने स्वयंसेवकों को समाज सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास तथा राष्ट्रहित में योगदान देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एनएसएस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं में सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी विकसित करने का सशक्त माध्यम है। सरपंच रामनाथ ने युवाओं की ऊर्जा और उत्साह की सराहना करते हुए उन्हें ग्राम विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्वयंसेवकों की सहभागिता से गांव में सकारात्मक बदलाव आएगा।

समाज सेवा का संकल्प

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ॰ आशुतोष शर्मा ने शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि सात दिनों के दौरान ग्राम में स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैली, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, पर्यावरण संरक्षण गतिविधियां तथा विभिन्न सामाजिक विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिविर में 50 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए समाज सेवा का संकल्प लिया।

अधोया के राजकीय स्कूल में छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए किया हवन

- मातृभाषा के महत्व को भी रेखांकित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

बराड़ा। कार्यक्रम में भाग लेते प्रतिभागी स्टूडेंट्स। फोटो : हरिभूमि

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अधोया में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में प्रधानाचार्य राजेश पराशर, एनएसएस प्रभारी डॉ. बलवंत सिंह, अध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। हवन का उद्देश्य विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करना तथा उन्हें भारतीय संस्कृति से जोड़ना रहा। इस दौरान संस्कृत अध्यापक कप्तान शास्त्री ने कहा कि हवन-यज्ञ भारतीय संस्कृति एवं वैदिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान है। प्राचीन काल से ही हवन को शुद्धि, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम माना जाता है। मंत्रोच्चारण के साथ अग्नि में आहुति देने से वातावरण में पवित्रता एवं मानसिक शांति का संचार होता है। हवन-यज्ञ के उपरांत अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2026 मनाया गया, जिसकी इस वर्ष की थीम "बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज रही।

टायर चोर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने सक्रिय टायर चोर गिरोह पर शिकंजा कसते हुए तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान यमुनानगर के जागदौली के छमिंदर कुमार यमुनानगर के शादीपुर गांव के राजेश कुमार व यमुनानगर के ही थानाछप्पर के कुलदीप उर्फ पंकज के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के 6 टायर (रिम सहित), एक ट्रक, जैक, रॉड और अन्य औजार बरामद किया गया है। 13 फरवरी 2026 को गांव केसरी के बलविंदर सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उनके वाहन से टायर चोरी हो गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार सीआईए-2 सूचना के आधार पर अधोई-बराडा क्षेत्र से घेराबंदी कर इन आरोपियों को काबू किया। पूछताछ में सामने आया कि यह गिरोह सुनसान जगहों पर खड़े वाहनों को निशाना बनाते थे।

700 खिलाड़ियों को राहत, सरकार ने दो महीने की डाइट मनी जारी की

- खेल नर्सरियों में पसीना बहाने के बावजूद खिलाड़ियों को नहीं मिल रही थी डाइट मनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

पिछले सत्र की खेल नर्सरियों में पसीना बहाने वाले खिलाड़ियों को राहत मिली है। खेल विभाग ने पुराने सत्र के लगभग 700 खिलाड़ियों की जून व जुलाई महीने की डाइट मनी राशि जारी कर दी है। पिछले छह महीनों से इस राशि का इंतजार कर रहे खिलाड़ियों के बैंक खातों में विभाग ने लाखों रुपये की राशि सीधे ट्रांसफर की है। हालांकि, खिलाड़ियों को अभी भी अगस्त से दिसंबर तक के पांच महीनों के भुगतान का इंतजार है, इसको लेकर भी मुख्यालय स्तर पर प्रक्रिया चल रही है। वर्ष 2025 में चल रही खेल नर्सरियों के खिलाड़ियों की डाइट मनी लंबे समय से बजट के अभाव में अटकी हुई थी। डाइट मनी न मिलने के कारण खिलाड़ियों को अपनी खुराक और प्रशिक्षण के खर्चों को वहन करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। विभाग द्वारा अब जून व जुलाई की राशि जारी होने से खिलाड़ियों व उनके अभिभावकों ने राहत की सांस ली है।

शेष राशि जल्द जारी कर दी जाएगी

खेल विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आगामी बजट प्रक्रिया के तहत जल्द ही शेष महीनों की राशि भी खिलाड़ियों के खातों में भेज दी जाएगी। जबकि नए सत्र यानी मार्च में दोबारा शुरू होने वाले खेल नर्सरियों से पहले यह राशि मिलने की उम्मीद बनी हुई है ताकि नए खेल नर्सरियों में खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा भागीदारी निभा सकें। जिला खेल अधिकारी रामसरूप ने बताया कि खिलाड़ियों की डाइट मनी सीधे उनके खातों में भेजी जा रही है। जून व जुलाई का भुगतान कर दिया गया है। मुख्यालय स्तर से ही यह राशि दी जा रही है। जल्द ही शेष राशि भी जारी कर दी जाएगी।

हादसे में साइकिल सवार की जान गई

अंबाला। छावनी में साइकिल सवार की मौत के बाद कार चालक के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। आरोपी चालक ने पहले इलाज का खर्च उठाने का वादा कर पुलिस कार्रवाई रुकवाई थी लेकिन घायल की मौत के बाद वह अपने वादे से मुकर गया। पुलिस ने चश्मदीद के बयान के आधार पर यह कार्रवाई की है। हादसा 11 फरवरी 2026 की सुबह करीब 6:30 बजे अंबाला कैंट के कैपिटल चौक के पास हुआ था। प्रत्यक्षदर्शी अशोक कुमार ने पुलिस को बताया कि उन्होंने एक सफेद टाटा पंच कार को लापरवाही से साइकिल सवार राकेश कुमार को टक्कर मारते देखा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि साइकिल सवार राकेश कुमार वासी शांति नगर की दोनों टांगें टूट गईं और सिर में गंभीर चोटें आईं। चश्मदीद और अन्य राहगीरों ने घायल को तुरंत सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

25 साल की निकिता को कुचलने वाला हेडकांस्टेबल फिर गिरफ्तार

- शराब के नशे में धुत होकर युवती को कुचलने का आरोप, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नई धारा जोड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला शहर के मॉडल टाउन की रहने वाली 25 वर्षीय निकिता की मौत के मामले में आरोपी हेड कांस्टेबल अमित कुमार को दोबारा से गिरफ्तार किया गया है। अदालत ने आरोपी को जेल भेजने के आदेश जारी कर दिए हैं। दरअसल इस मामले में पहले पड़ाव थाना पुलिस ने लापरवाही से गाड़ी चढ़ाने की धारा में केस दर्ज किया था। इस मामले में आरोपी अदालत से जमानत मिल गई थी। इसके बाद युवती के परिजनों ने कैबिनेट मंत्री अनिल विज से मुलाकात कर आरोपी हेड़कांस्टेबल के खिलाफ पुलिस द्वारा ढीली कार्रवाई करने के आरोप लगाए थे। मृतका के माता पिता व भाई ने विज को पूरे मामले से अवगत करवाया था। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने संज्ञान लेते हुए गैर इरादतन हत्या की धारा 105 लगाने के निर्देश दिए थे। अब धारा लगने के बाद कोर्ट की अनुमति से पुलिस ने आरोपी को दोबारा से गिरफ्तार किया। पीड़ित पक्ष की तरफ से ह्यूमन राइट्स काउंसिल इंडिया संगठन से जुड़ी अधिवक्ता ने बताया कि इस मामले में अब आरोपी की जमानत पर सुनवाई होगी।

चोरी के पचास मामलों में वांटेड आरोपी रिमांड पर

- अदालत ने आरोपी को किया था भगौड़ा घोषित, हो रही पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

आरपीएफ की टीम ने चोरी के 50 मामलों में वांछित को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के मोहम्मद अकबर के तौर पर हुई है। आरोपी ट्रेनों में चोरी करने का माहिर बताया गया है। आरोपी ने न केवल अंबाला बल्कि दिल्ली, गाजियाबाद और हापुड़ समेत उत्तर रेलवे की कई पोस्टों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था और वह पिछले तीन साल से भगोड़ा घोषित किया गया था। आरपीएफ अंबाला कैंट के निरीक्षक रविंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि वर्ष 2018 में दर्ज मुकदमा में वांछित मोहम्मद अकबर मथुरा की अदालत से किसी अन्य मामले में पेश होने वाला है। 18 फरवरी को अदालत से प्रोडक्शन वारंट हासिल कर उसे मथुरा जिला कारागार से हिरासत में ले लिया। मामला 4 नवंबर 2018 का है जब चलती गाड़ी संख्या 14033 जम्मू मेल से दो एलईडी टीवी और वारदाना के 16 बैग चोरी हुए थे। इसकी कीमत 2 लाख 65 हजार 568 रुपये आंकी गई थी। इस मामले में मो. अकबर लंबे समय से फरार चल रहा था। 15 नवंबर 2022 को रेलवे मजिस्ट्रेट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था।

गोल्ड व्यापारी बनकर युवती को 5.86 लाख का चूना लगाया

- साइबर पुलिस ने फ्रॉड का मामला दर्ज कर जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

एक युवती साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो गई। गांव पंजलासा की 32 वर्षीय सीमा से ठगों ने गोल्ड पार्सल भेजने का झांसा देकर 5.86 लाख रुपये ठग लिए। थाना साइबर क्राइम में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस को दिए बयान में सीमा ने बताया कि जनवरी 2026 में उसे इंस्टाग्राम पर एक आईडी से फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली थी। दोस्ती बढ़ने पर आरोपी ने खुद को अमेरिका का एक बड़ा गोल्ड व्यापारी बताया और युवती का विश्वास जीत लिया। ठगी की शुरुआत तब हुई जब आरोपी ने सीमा को एक 'गोल्ड पार्सल' भेजने का झांसा दिया। इसके बाद 9 जनवरी 2026 को उसे एक कथित डिलीवरी बॉय का फोन आया। डिलीवरी बॉय ने पार्सल क्लीयरेंस और प्रॉपर्टी वेरिफिकेशन के नाम पर पैसे की मांग की। जब युवती ने अमेरिका में बैठे अपने 'दोस्त' से बात की तो उसने भी पार्सल को कीमती बताते हुए जल्द से जल्द पैसे जमा करने का दबाव बनाया। इस दबाव के चलते युवती ने ठगों के जाल में फंसकर पैसे भेजने शुरू कर दिए।9 जनवरी से 16 फरवरी के बीच, युवती ने अपने गूगल पे नंबर से अलग-अलग स्कैनर्स पर कुल 66 बार ऑनलाइन भुगतान किया।

पीएम श्री स्कूल उगाला में वार्षिक खेल उत्सव, खेल के मैदान में भी दिखाया दम

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिखाई प्रतिभा

समारोह को लेकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं जोश दिखाई दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

पीएम श्री स्कूल उगाला में वार्षिक उत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने शिरकत की, जबकि खंड शिक्षा अधिकारी जगदीश मेहरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय पहुंचने पर स्कूल प्रबंधन समिति, प्रधानाचार्य राहुल सिंगला एवं स्टाफ सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने देशभक्ति, लोक संस्कृति, सामाजिक जागरूकता एवं शिक्षा के महत्व पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां दी। नृत्य, समूहगान, नाटक एवं लघु प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं अनुशासन की सराहना करते हुए शिक्षकों के समर्पण की प्रशंसा की। समारोह के अंतर्गत वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। दौड़, कूद एवं अन्य खेल प्रतिस्पर्धाओं में बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। वर्ष में एक बार आयोजित होने वाले इस समारोह को लेकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं जोश दिखाई दिया।

बराड़ा। कार्यक्रम में उपस्थित स्टूडेंट्स को संबोधित करते मुख्यातिथि।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर शैक्षिक, सांस्कृतिक, गणित प्रतियोगिता, लीगल लिटरेसी, रोड सेफ्टी एवं खेल प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। साथ ही जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड, सिल्वर एवं कांस्य मेडल प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन एवं लक्ष्य निर्धारण का संदेश देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर पूर्व प्रधान संजीव कुमार, ग्राम उगाला के सरपंच प्रतिनिधि शेर सिंह राणा, ब्लॉक समिति प्रतिनिधि ब्रजेश शर्मा सहित शिक्षक भी मौजूद रहे।

छात्रों को बताई रेडियो प्रोडक्शन की बारीकियां

अंबाला। अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में मास कम्यूनिकेशन विभाग की तरफ से रेडियो प्रोडक्शन पर एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी से डॉ. आबिद अली ने छात्रों को आवाज की दुनिया व रेडियो प्रोडक्शन की बारीकियों से अवगत करवाया। मुख्य वक्ता के कॉलेज पहुंचने पर प्रिंसिपल डॉ. देसराज बाजवा ने उनका स्वागत किया। उन्होंने वर्कशॉप के आयोजन के लिए मास कॉम विभाग को बधाई दी। डॉ आबिद अली ने छात्रों को बताया कि साइन एंड सिंबल से आगे बढ़कर जब इंसान ने आवाज पाई तो उसने इस आवाज के जादू को पहचाना। इसी से रेडियो तरंगों के आविष्कार के बाद रेडियो अस्तित्व में आया। उन्होंने छात्रों को रेडियो प्रोडक्शन के काम आने वाले विभिन्न उपकरण व सॉफ्टवेयर के बारे में भी बताया।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 22 फरवरी 2026

कुछ साल पहले तक वर्क फ्रॉम होम के बारे में कम ही लोग जानते थे। लेकिन आज कंडीशन इससे भी एक कदम आगे बढ़कर वर्क फ्रॉम एनीवेयर तक पहुंच चुकी है। कई सर्विस सेक्टर्स ऐसे हैं, जिसमें यह वर्क मोड खूब पॉपुलर हो चुका है। इस मोड के अनेक फायदे हैं तो कुछ कमियां भी हैं। इन सबके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

कहीं से भी काम करने की आजादी

वर्क फ्रॉम एनीवेयर

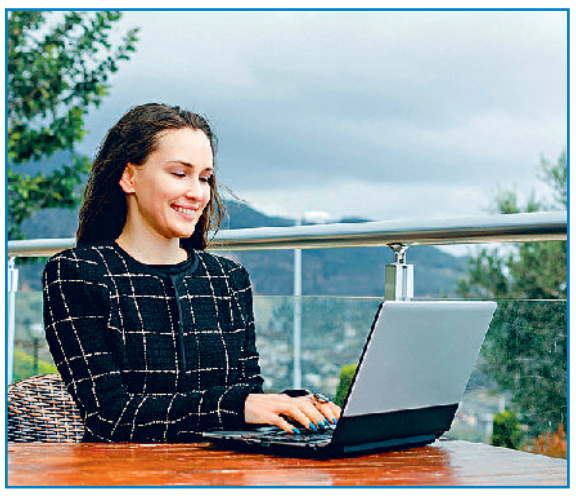

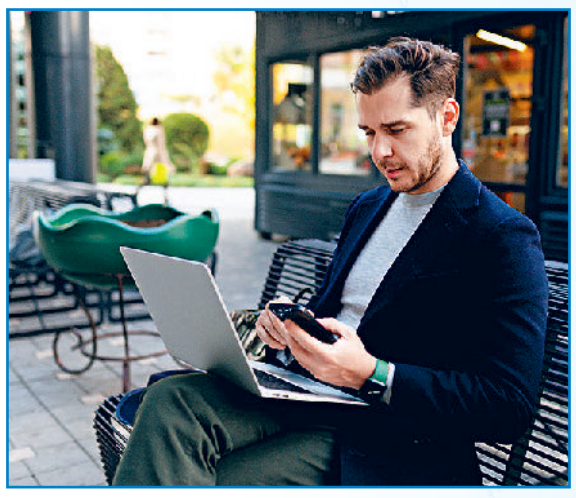

{ कवर स्टोरी / कीर्तिशेखर }

करीब पांच वर्ष पहले कोरोना महामारी ने कार्यशैली में जिस बदलाव को मजबूरी में शुरू कराया था, वह अब स्थायी जीवनशैली का विकल्प बनता जा रहा हैं। पहले सवाल था- क्या घर से काम करना संभव है? अब सवाल बदल चुका है- क्यों न कहीं से भी काम किया जाए? इसी सवाल से जन्म होता है, वर्क फ्रॉम एनीवेयर की अवधारणा का यानी, ऐसा काम जिसे करने के लिए न तो ऑफिस की दीवारें जरूरी हैं, न किसी तय शहर की सीमा, बस आपका अपना लैपटॉप हो, इंटरनेट कनेक्शन हो और थोड़ी-सी मानसिक एकाग्रता, इसके बाद कहीं पर भी आप अपना ऑफिस वर्क शुरू कर सकते हैं।

ऐसे बदलती गई कार्यशैली: वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को यह सिखाया कि जरूरी नहीं कि हर काम मीटिंग रूम या ऑफिस डेस्क पर ही बैठकर किया जाए। इस अवधारणा ने यह भी बताया कि प्रोडक्टिविटी का मतलब केवल कुर्सी पर बैठना नहीं होता। आउटपुट ज्यादा मायने रखता है। इसके बाद लोगों ने महसूस किया कि अगर घर से काम करना संभव है, तो फिर इंटरनेट की बदौलत कहीं से भी काम करना संभव है। कोरोना और उसके बाद से ही लोगों ने घूमने गए हिल स्टेशनों, समुद्र किनारे या शहर से अपने गांव जाकर घर के एक कोने में बैठकर देश-विदेश की मल्टीनेशनल कंपनियों का काम करने लगे। यहीं से वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट व्यवहार में उतरा।

इसलिए चुन रहे यह तरीका: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट पॉपुलर होने की कई वजहें हैं। महानगरों में भीड़ बहुत बढ़ती जा रही है। भारी-भरकम किराए के बाद ही किराए का मकान मिलता है, बल्कि वहां जिंदगी भी बहुत मुश्किल भरी हो जाती है। ऑफिस आने-जाने में रोज ट्रैफिक जाम से पाला पड़ता है। परिवार साथ न होने की वजह से खाने की समस्या होती है। घर और परिवार से दूर रहने के कारण हर समय मानसिक अशांति रहती है। इस तरह काम तो होता है, पर जीवन बेचैन रहता है। इसलिए युवाओं का कहना है कि अब वो जीवन के लिए काम करना चाहते हैं, काम के लिए जीवन की हायतौबा नहीं झेलना चाहते। नतीजा यह है कि नई पीढ़ी के बहुत से लोग वर्क फ्रॉम एनीवेयर का विकल्प बड़ी सहजता से चुन रहे हैं, क्योंकि यह विकल्प उन्हें भरपूर आजादी का एहसास कराता है।

इस कॉन्सेप्ट का मेन टार्गेट: वर्क फ्रॉम एनीवेयर के बारे में इस बात को समझना जरूरी है कि इसका मतलब डिजिटल घुमक्कड़ी नहीं है, न ही इसका मतलब है कि कहीं भी घूमते-फिरते रहें और जब मौका मिले या मन करे तो काम कर लें। अगर इस धारणा का मतलब यह हो जाएगा, तब तो काम करना प्राथमिकता नहीं रह जाएगी। प्रोफेशनल्स के लिए उनका वर्क बहुत मायने रखता है। ऐसे में इंटरनेट ने बौद्धिक काम करने वाले लोगों को यह सुविधा तो दी ही है कि अगर हिल स्टेशन पर घूमने जाएं, तो समय निकालकर वहां से भी अपना काम कर सकें। मां-बाप के पास गांव जाएं तो वहां भी साथ अपना काम लेकर जाएं और कहीं किसी जरूरी यात्रा पर निकल रहे हों तो भी अपना काम अपने साथ रख सकते हैं।

इन फील्ड्स में है सफल यह मॉडल: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट सर्विस सेक्टर में ही संभव है कि आप कहीं से भी अपनी विशेषज्ञता संबंधी सेवाएं अपने नियोक्ता को दे सकें। हर काम वर्क फ्रॉम एनीवेयर के ढांचे में फिट नहीं होता है। बहरहाल, जो काम इस मोड में सही से किए जा सकते हैं, वो क्षेत्र हैं- आईटी और सॉफ्टवेयर, डिजिटल मार्केटिंग, एडिटिंग, कंटेंट राइटिंग, डिजाइनिंग, ऑनलाइन टीचिंग, कस्टमर सपोर्ट-कंसल्टेंसी, एचआर असिस्टेंस और फाइनेंस एनालिसिस भी इस वर्क पैटर्न से संभव है। दूसरे शब्दों में जिन कामों में फिजिकल उपस्थिति या मशीनरी की मौजूदगी की जरूरत नहीं होती, उन क्षेत्रों में यह मॉडल तेजी से अपनाया जा रहा है।

एंप्लॉई-एंप्लॉयर दोनों खुश: कंपनियां इसलिए इस मॉडल को स्वीकार कर रही हैं, क्योंकि इससे उनको भी फायदा है। इससे उन्हें ऑफिस स्पेस पर खर्च नहीं करना पड़ता। ऑफिस चलाने के लिए जो एस्टेब्लिशमेंट खर्च होते हैं, उनसे भी बचाव हो जाता है और सबसे बड़ी बात तो यह है कि लोगों को भर्ती करने के लिए पूरी दुनिया का दायरा मिल जाता है। कर्मचारी भी इससे संतुष्ट रहते हैं, क्योंकि हर रोज घर से काम करने के लिए नहीं निकलना पड़ता और न ही यात्रा करने की जो परेशानियां और तनाव होती हैं, उनसे निपटना पड़ता है।

कंपनियां भी अब इस बात को समझ चुकी हैं कि अगर सहूलियतों के बीच कर्मचारी को काम करने का मौका मिलता है तो उसका परफॉर्मेंस बेहतर होता है। इसलिए वे ऐसे कर्मचारियों को रखना पसंद करती हैं। इससे कर्मचारियों को सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि उनके रहने और दूसरी जगह पर जाकर खाने-पीने की जो भारी भरकम लागत आती है, उससे छुटकारा मिल जाता है। घर से ऑफिस तक जाने में जो समय लगता है, उससे भी मुक्ति मिल जाती है। यह बचा हुआ समय व्यक्तिगत रुचियों का आनंद लेने और आराम करने के लिए इस्तेमाल होता है। कह सकते हैं इस अवधारणा से काम कराने वाला भी खुश होता है और काम करने वाला भी खुश और दोनों को फायदा होता है।

प्रोफेशनल्स का बचता है टाइम: काम की इस अवधारणा का एक फायदा यह है कि लोग दिन में ऑफिस का काम करते हैं और फिर जो उनका दफ्तर तक जाने और आने का समय बचता है। उस समय का उपयोग बागवानी करने, संगीत सीखने, लेखन करने या अपने किसी शौक को पूरा करने के लिए लगाते हैं।

मौजूद हैं कुछ चुनौतियां: इस वर्क मोड में सबसे पहली चुनौती तो यह है कि ये काम वहीं हो सकता है, जहां इंटरनेट की सुविधा अच्छी हो, बिजली की आपूर्ति चौबीसों घंटे हो और काम करने के लिए एक सुरक्षित और एकांत जगह हो। साथ ही वहां दफ्तर जैसा माहौल बनाने की सुविधा हो। इसके अलावा सेल्फ डिसिप्लीन भी जरूरी होता है। कुछ लोग जब खुद निर्णय लेना होता है, तो कंसंट्रेट होकर काम नहीं करते। ऐसे काम करने के तरीके से कई प्रोफेशनल्स का निजी जीवन डिस्टर्ब हो जाता है। वे ऑफिस वर्क में बहुत समय देने लगते हैं। इसलिए बहुत सारे लोग शुरू-शुरू में यह फॉर्मूला अपनाते हैं, लेकिन जल्द ही ऊब कर ऑफिस आने लगते हैं। क्योंकि घर में काम करते हुए उनके वर्किंग ऑवर बहुत बढ़ जाते हैं। वर्क फ्रॉम एनीवेयर करते समय भले तनाव कम होता हो, आजादी खूब महसूस होती हो, लेकिन सामाजिक संपर्क से कट जाते हैं और अकेलेपन की आशंका से घिर जाते हैं। इसलिए कई बार कहीं से भी काम करने की सुविधा का नुकसान मानसिक रूप से बीमार होने के रूप में सामने आता है। इसलिए लोग अब हाइब्रिड मॉडल को बेहतर मान रहे हैं यानी चार दिन घर में और दो दिन दफ्तर में काम करना, सही संतुलन है। हां, महिलाओं को जरूर काम करने की इस शैली का फायदा मिलता है, क्योंकि इसके चलते उन्हें होम मेकिंग और करियर में संतुलन बनाने में मदद मिलती है। *

वर्क फ्रॉम एनीवेयर के लिए जरूरी सुविधाएं

- घर में तेज रफ्तार इंटरनेट कनेक्शन होना जरूरी है।
- घर में लैपटॉप के साथ बैकअप पावर की सुविधा होना जरूरी है।
- घर में काम करने के लिए ऑफिस जैसे स्थान का होना जरूरी है।
- रोज सुबह अनुशासित ढंग से तैयार होकर दफ्तर की तरह काम करना जरूरी है।
- घर से काम करते समय कंप्यूटर और साइबर सिक्योरिटी का ज्ञान भी जरूरी है। अगर कंप्यूटर की बेसिक समझ नहीं है तो कभी-भी अगर लैपटॉप या वर्क स्टेशन में कोई समस्या आ गई, तो तब तक काम नहीं कर पाएंगे, जब तक घर कोई मैकेनिक आकर समस्या हल न करे।
- घर से काम करने के लिए लगातार तकनीक में भी माहिर होते रहना जरूरी है।
- घर से काम करते समय लगातार उत्साह बनाए रखना भी जरूरी है ताकि अपना नियमित रूटीन सही से पूरा कर सकें।

आज के दौर में जीवन को सुविधाजनक बनाने वाला मोबाइल बेशुमार लोगों को अपना लती भी बना रहा है। इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए अब लोग तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनके बारे में आप भी जानिए।

मोबाइल एडिक्शन से बचने के लिए

आजमाए जा रहे तरह-तरह के उपाय

{ टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम }

हर सुबह आंख खुलते ही मोबाइल। रात में सोते समय आखिरी नजर तक मोबाइल। दिन में बीच-बीच में सैकड़ों बार स्क्रीन चेक करना। अब ये किसी व्यक्ति विशेष की आदत नहीं बल्कि ज्यादातर लोगों की लाइफस्टाइल बन गई है। अब मोबाइल में नोटिफिकेशन देखना याद नहीं रखना पड़ता। लोगों की यह स्वतः आदत बन गई है। लेकिन इसी दौर में कुछ और भी दिलचस्प और विरोधाभासी बातें भी हो रही हैं। एक ट्रेंड बहुत तेजी से उभर रहा है और यह है मोबाइल से दूरी बनाने का। नहीं, लोग तकनीक छोड़ नहीं रहे बल्कि उसके साथ नई-नई शर्तों के तहत रिश्ता तय कर रहे हैं। कोई नोटिफिकेशन बंद कर रहा है, कोई फोन ग्रे स्केल पर डाल रहा है, कोई डंब फोन खरीद रहा है, तो कोई रविवार को मोबाइल अलमारी में बंद करके उसमें ताला लगा देता है। मोबाइल को लेकर उसके पक्ष और उसके विरोध में एक से बढ़कर एक आदतें दुनिया का ध्यान खींच रही हैं।

क्यों छोड़ना चाहते हैं फोन: हाल के कुछ सालों में ऐसे कई अनुभव सामने आए हैं, जिससे पता चलता है कि मोबाइल लोगों का ध्यान बहुत जल्दी भटका देता है। यह भी महसूस किया गया है कि लगातार मोबाइल का इस्तेमाल करने से अधूरेपन का एहसास बढ़ जाता है। मोबाइल की लत लग जाए, तो कब देखते ही देखते टाइम फुर्र हो जाता है, पता ही नहीं चलता। इन सबके अलावा हाल के सालों में बिना कुछ किए लोगों को एक ऐसी थकान जकड़ रही है, जो जानकारों के मुताबिक मोबाइल की देन है। ऐसे ही और भी अनेक कारण हैं, जिसके चलते अब लोग मोबाइल से अगर पूरी तरह से नहीं, तो बीच-बीच में कुछ समय तक के लिए पिंड छुड़ाना चाहते हैं। इसलिए इन दिनों लोग मोबाइल से दूर रहने के लिए तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनमें से कुछ के बारे में बता रहे हैं।

नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म: बहुत से लोग अब सिर्फ कॉल और जरूरी एप्स के नोटिफिकेशन ही चालू रखते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप, सोशल मीडिया लाइक और ई-मेल अलर्ट, सब कुछ लोग बंद कर रहे हैं। इस कारण फोन हाथ में लेने की अपने आप जरूरत कम रह जाती है। ऐसे उपाय अपनाने वाले लोग बताते हैं- जहां वह पहले 125 से 150 बार तक स्क्रीन अनलॉक करते थे, वहीं ऊपर बताए गए उपाय यानी नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म के बाद अब ये संख्या घटकर 40 से 50 बार रह गई है।

ग्रे स्केल मोड: इसका मतलब है फोन की रंगीन स्क्रीन को ब्लैक एंड व्हाइट में बदल देना। फोन की दुनिया काली-सफेद होते ही लोगों का रील्स में आकर्षण घट जाता है और स्क्रॉल करने का मन ही नहीं रह जाता। यह एक छोटा-सा उपाय है, लेकिन इसके बेहद असरदार मनोवैज्ञानिक नतीजे हासिल होते हैं। इसके साथ ही कुछ लोग अपने फोन में डाउनलोड किए गए हर मीडिया एप के लिए दिन में 20 से 30 मिनट की लिमिट तय कर देते हैं और लिमिट खत्म होते ही यह एप अपने आप ही लॉक हो जाते हैं, जिससे इनसे मुक्ति मिल जाती है। ये उपाय शुरू में तो झुंझुलाहट पैदा करता है, मगर 3-4 दिन के बाद इसकी आदत बन जाती है।

फोन मुक्त दिन की शुरुआत: कुछ लोग इन दिनों सुबह जगने के बाद एक से दो घंटा तक बिल्कुल मोबाइल के पास नहीं जाते, इस दौरान उनका मोबाइल स्विच ऑफ रहता है। जब तक मोबाइल स्विच ऑफ रहता है, वे फ्रेश होते हैं, चाय पीते हैं, अखबार पढ़ते हैं, एक्सरसाइज का अपना रुटीन खत्म करते हैं या ऐसा कुछ नहीं भी करते हैं तो इस दौरान सिर्फ खिड़की या बालकनी से बाहर झांकते हैं। जो लोग ये उपाय आजमा रहे हैं, उनका अनुभव बताता है कि इससे पूरा दिन शांति महसूस होती है।

सोशल मीडिया फास्टिंग: कुछ लोग सोशल मीडिया फास्टिंग का उपाय भी आजमा रहे हैं। फोन से दूर रहने का यह एक और उपाय है। इसके चलते जैसे कुछ लोग धार्मिक रूप से हफ्ते में किसी एक या दो दिन उपवास रखते हैं। लगभग उसी तरह इस प्रयोग के तहत लोग हफ्ते में एक दिन या 15 दिन में एक दिन फोन से पूरी तरह से दूर रहने का उपाय आजमाते हैं।

बेडरूम से बाहर फोन: कुछ लोग अपने फोन को बेडरूम से बाहर रखकर सोते हैं। इस तरह फोन को बेडरूम से बाहर रखने के बहुत फायदे मिलते हैं। इससे नींद बेहतर आने लगती है। रात की स्क्रॉलिंग खत्म हो जाती है। *

मानसिक स्वास्थ्य के लिए है जरूरी

लोग इस बात को भली-भांति समझने लगे हैं कि फोन के बहुत ज्यादा इस्तेमाल के कारण उनकी आंखों पर ही नहीं, ध्यान लगाने की क्षमता पर, भावनात्मक स्थिरता पर और यहां तक कि आत्मसंतोष की अनुभूति पर भी जबर्दस्त असर पड़ने लगा है। मोबाइल से दूर रहना एक तरह से खुद के पास होने जैसा है। क्योंकि जो लोग बहुत ज्यादा फोन इस्तेमाल करते हैं, उन लोगों के अनुभव बताते हैं कि वो जितना ही ज्यादा फोन में रहते हैं, उतना ही ज्यादा अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में इससे दूरी बनाने की आदत मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाती है।

{ गजल / हबीब कैफी }

मोहब्बत में जो लिखता है
अंधेरे में भी दिखता है

वहां कुछ फूल खिलते हैं
जहां वो पांव टिकता है

जिसे सब इश्क कहते हैं
सर-ए-बाजार बिकता है

फकत रोटी नहीं सिकती
तवे पर दिल भी सिकता है

महकता फूल लिखना था
उसी को खार लिखता है

{ व्यंग्य / महेश कुमार केशरी }

प्रभु बचाए ऐसे पड़ोसी से

करते हैं, सांप चंदन के पेड़ से हमेशा लिपटे रहते हैं। हालांकि मैं चंदन जैसा तो बिल्कुल नहीं हूं, फिर भी न जाने क्यों आस-पड़ोस के लोग मुझसे लिपटने को आतुर रहते हैं। कुछ ऐसे ही बगल के घर में रहने वाले मेरे एक पड़ोसी भी हैं। मेरे घर आ धमकने का उनको बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। उन पड़ोसी महाशय को जब-जब कोई जरूरत होती है, वे भुजंग की तरह मुझसे आकर चिपट जाते हैं। गोया कि मैं आदमी नहीं बल्कि चंदन का पेड़ होऊं। उनका मेरे घर आना-जाना ऐसे होता है, जैसे मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो। ऐसे पड़ोसी मुझे मिले हैं, जिनको दिन भर में मुझसे दसियों बार काम पड़ता है। 'भाई साहब! भाई साहब!' कह-कह कर वे मुझे चूना लगाते रहते हैं। कभी-कभी तो मुझे लगता है, जैसे मैंने इन पड़ोसी महाशय को गोद लिया हुआ है। और वे मेरे बच्चे सरीखे हैं। वाह रे भाई! मान-न-मान मैं तेरा मेहमान। कभी 'हम बाहर जा रहे हैं, जरा घर देखिएगा।' कभी 'जरा बाइक की चाबी दीजिएगा बच्चे को स्कूल छोड़ने जाना है।' तो कभी 'बाजार जा रहे हैं, जरा मेरा फलना-ढिमकाना सामान भी लेते आइएगा।' अगर कभी थोड़ी नाराजगी मैं जताता तो दांत निपोरते हुए बोलते, 'अब एक पड़ोसी ही तो दूसरे पड़ोसी के काम आता है!' किसी दिन आकर पूछते हैं, 'भाई आपके पास कैंची होगी?' तो किसी रोज कहते, 'भाई साहब आपके पास रस्सी तो होगी?' मन आता है कि कह दूं, 'जिस भी चीज की जरूरत पड़े, वो आपको मुझसे ही चाहिए होती है। भला मैं आपूर्ति मंत्रालय में काम तो नहीं करता कि हर चीज का जुगाड़ करके आपके लिए रखा होऊं। भाई मैंने आपका ठेका थोड़ी न लेकर रखा है।' अभी बीते दिनों उन्हीं पड़ोसी का खल चोरी हो गया। वे मुझ पर झल्लाने लगे, 'आप के भरोसे घर छोड़कर गया था, देखिए मेरा खल चोरी हो गया।' मन में आया उसी खल में उन्हें कूट दूं। कह दूं कि आपने मुझे अपना खरीदा हुआ नौकर समझ लिया है क्या, जो मैं आपकी चाकरी करूंगा।

मेरे घर आ धमकने का पड़ोसी महोदय को बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। गोया मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो।

पता नहीं कब मेरा पिंड छूटेगा इन महाशय से! भगवान बचाए ऐसे पड़ोसी से। *

{ लघुकथा / डॉ. रंजना जायसवाल }

डुबकी

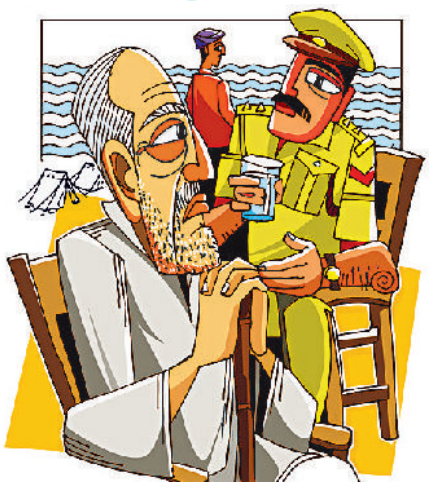

खोया-पाया कैंप में उस बूढ़े बाबा को बैठे छह घंटे हो गए थे। रात गहराती जा रही थी। अभी तक उन्हें कोई ढूंढने भी नहीं आया था। बाबा की आंखें एक आशा के साथ हर आहट के साथ दरवाजे तक जातीं, लेकिन वह निराश होते। कैंप के कर्मचारी की ड्यूटी बदलने का समय हो गया था। नए कर्मचारी ने पानी का गिलास पकड़ाते हुए बाबा से पूछा, 'आप कहां से आए हैं?'

'बेटा काफी दूर से आए हैं।'

'कुछ नाम तो होगा।'

'नाम...' बाबा ने याद करने की कोशिश की।

'किसके साथ आए हैं?'

'कलुवा, हमारा इकलौता बेटा'

'कुंभ नहाए आए थे?'

'हमार बेटवा ब्याह के दस बरस के बाद पैदा हुआ था। उसकी अम्मा मन्नत की रही, गंगा मैया को साड़ी चढ़ाएगी पर परमात्मा को कुछ और ही मंजूर था। अब जइबे तब जइबे करते-करते बख्त निकल गया। उसकी अम्मा ने मरते बख्त कसम ली थी। बचुवा के साथ मन्नत उतारे आए रहे। कुंभ नहाए लेब और मन्नत भी उतार देब।'

'बेटा कहां है बाबा?'

'हमसे बोला कुछ खाए का सामान लेने जाए रहे। इहां बैठे रहो हम अबही आत है।'

'फिर?'

'हमको बैठाकर पता नहीं कहां चला गवा? पुलिस वाले हमको इहां पहुंचा गए। बेचारा कितना परेशान हो रहा होगा।' बाबा की आंखों में अपने बेटे कलुवा के लिए चिंता उभर आई। कर्मचारी समझ चुका था, बीते कुछ दिनों में बाबा जैसे न जाने कितने लोग अपनों की तलाश और इंतजार में भटक रहे थे। 'बाबा, दस बार माइक पर कलुवा का नाम पुकारा जा चुका है। फोन नंबर याद है उसका?'

'फोन?'

'वापसी कब थी?'

'छः बजे की टरेन थी।'

'पर बाबा अब तो नौ बज रहे हैं।'

'नौ!' बाबा की आंखों के जुगनू धप्प पड़ गए।

'कलुवा आता ही होगा। हमें लिए बिना कैसे जाएगा?'

बाबा ने धीरे से बुदबुदाया। सामने गंगा मैया मंद-मंथर गति से बह रही थी। वह एक और पाप की साक्षी थी। जिसे कोई डुबकी धुल नहीं सकती थी। *

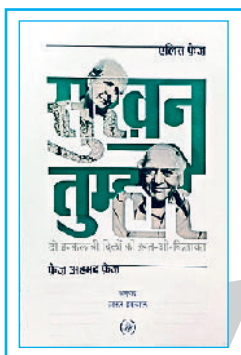

पुस्तक: सुखन तुम्हारे, लेखक: फैज अहमद फैज-एलिस फैज, अनुवाद: जफर इकबाल, मूल्य: 550 रुपए, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

दो दिलों की खत-ओ-किताबत

गजलों-नज्मों का शायद ही कोई ऐसा कद्रदान होगा, जो फैज अहमद फैज के नाम से नावाकिफ हो। अपनी शायरी में इंकलाबी तेवर और हुकूमत की बंदिशों को चुनौती देने वाले फैज के भीतर एक नाजुक दिल पति और बेहद जज्बाती पिता भी मौजूद था, इसकी बानगी उनके द्वारा लिखे उन खतों में दिखती है, जिनको उन्होंने कैद के दौरान अपनी पत्नी और बच्चों को लिखे थे। हाल में छपकर आई किताब 'सुखन तुम्हारे' में फैज के द्वारा लिखे गए 135 खत और उनकी पत्नी एलिस के द्वारा लिखे गए 178 खतों को संकलित किया गया है। वर्ष 1951 में पाक सरकार द्वारा गैर कानूनी तौर पर गिरफ्तार किए गए फैज, करीब चार वर्ष तक जेल में रहे। इस दौरान फैज और एलिस के बीच हुई खत-ओ-किताबत का महत्व किसी ऐतिहासिक दस्तावेज से कम नहीं है। यहां गौर करने वाली बात है कि फैज की गिरफ्तारी ने उन्हें बेबस नहीं और मजबूत बना दिया था। 17 जुलाई 1952 को लिखे खत में वह कहते हैं, 'यह जख्म बहुत अचानक, बहुत बेसबब लगा है लेकिन इसे सहने का बल मुझमें है। और इसके सामने भी मेरा सिर नहीं झुकेगा।' 24 अगस्त 1954 को एलिस, फैज को लिखे खत में भीगे जज्बातों से उनकी गैरमौजूदगी को महसूस करती हैं, 'जब मीजू ने केक काटा, उसने अपना मुंह बना लिया। आंखें बंद कीं और उस चीज की दुआ मांगी, जिसके लिए हम सब मांग रहे थे- खुदा तुम्हें हमारे पास घर भेज दें।' कह सकते हैं इस किताब में एक इंकलाबी शायर और उनकी पत्नी के व्यक्तित्व का बिल्कुल नया पहलू हमारे सामने उजागर होता है। *

मध्य प्रदेश का प्राणपुर गांव

तमिलनाडु स्थित औरोविले गांव

वैसे तो पर्यटन के लिहाज से अपने भारत देश में अलग-अलग तरह के बेशुमार स्थल मौजूद हैं। लेकिन अगर आप बिल्कुल अनोखे और सुकून भरे पर्यटन स्थल घूमना चाहते हैं तो आपको कुछ विशिष्ट पर्यटन गांवों का रुख करना चाहिए। यहां बता रहे हैं देश के कुछ ऐसे खूबसूरत गांवों के बारे में, जो आपके लिए परफेक्ट ग्राम्य-पर्यटन स्थल हो सकते हैं।

गांवों में मिलेगी सुकून की छांव

टूरिस्ट प्लेसेस / समीर चौधरी

आमतौर पर माना जाता है कि गांवों में सुविधाओं की कमी होती है। इसीलिए शहर के लोग वहां जाना पसंद नहीं करते हैं। लेकिन आपको जानकर अच्छा लगेगा कि कुछ प्रदेशों के चुने हुए गांवों को विशिष्ट पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। जहां आप आधुनिकता और शहरी शोर-शराबे से दूर शांत, स्वच्छ और सुकून भरा अनुभव पा सकते हैं। लद्दाख की पहाड़ियों और छत्तीसगढ़ के जंगलों से लेकर, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश तक में कई ऐसे गांव हैं, जो विरासत और प्रकृति को सुरक्षित रखे हुए हैं। अपनी इसी विशेषता के कारण यह उन पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, जिनकी ग्रामीण जीवनशैली, संस्कृति व इतिहास में दिलचस्पी होती है। ऐसे ही कुछ गांवों के बारे में जानिए।

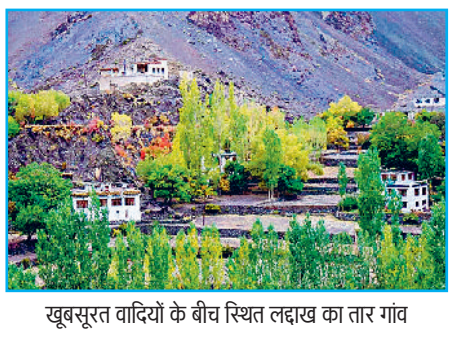
खूबसूरत वादियों के बीच स्थित लद्दाख का तार गांव

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में स्थित धुडमारास गांव

सावरवानी-लाड़पुरा खास-प्राणपुर, मध्य प्रदेश: मध्य प्रदेश के ये तीन गांव आपको ग्रामीण भारत की सुंदर छवियों से रूबरू कराते हैं। प्राणपुर, सावरवानी व लाड़पुरा खास गांवों को वर्ष 2024 में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों के रूप में सम्मानित किया जा चुका है। सावरवानी, आपको गोंड आदिवासी जीवन का अनुभव कराता है। यहां आरामदायक होमस्टे और सुंदर फार्मलैंड्स हैं। लाड़पुरा आपको विश्वसनीय बुंदेली एहसास से आकर्षित करता है। यहां के परंपरागत घर व हाथ से पेंट की गईं खूबसूरत दीवारें पर्यटकों को मोहित करती हैं। प्राणपुर, भारत का पहला क्राफ्ट हैंडलूम पर्यटन गांव है, जहां लगभग 900 बुनकर हैं, जो चंदेरी कपड़ा बुनने की कला में माहिर हैं। इन गांवों में आप क्राफ्ट वर्कशॉप्स, फॉरेस्ट वॉक, साइकिलिंग ट्रेल्स और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुभव कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश का कारिकोट गांव

ग्वालियर एयरपोर्ट से प्राणपुर 240 किमी. और लाड़पुरा खास 123 किमी. की दूरी पर है, जबकि जबलपुर से सावरवानी की दूरी 220 किमी. है।

तार गांव, लद्दाख: लद्दाख क्षेत्र में इस गांव को पहला सीसीए (कम्युनिटी-डिक्लेयर्ड कंजरवेशन एरिया) घोषित किया गया। लद्दाख का यह खूबसूरत गांव भी पर्यटन मंत्रालय की भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव की 2024 की सूची में शामिल हो चुका है। इसके संरक्षित क्षेत्र का प्रबंधन स्थानीय समितियां करती हैं, जोकि अपने प्राकृतिक संसाधनों, संस्कृति व परंपराओं को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी निभाती हैं। इनके पास समुदाय की निगरानी वाला पर्यटन, शून्य-प्लास्टिक अभियान और लद्दाखी सांस्कृतिक प्रथाओं के संरक्षण का भी दायित्व है। यहां आप ऊंचाई पर ट्रैकिंग, प्राचीन मठों को देख सकते हैं और ईको-होमस्टे में ठहर सकते हैं। यहां आने के लिए निकटतम एयरपोर्ट लेह है, जहां से तार लगभग 85 किमी. के फासले पर है।

कारिकोट गांव, उत्तर प्रदेश: उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में स्थित कारिकोट गांव को इंडियन सब-कॉन्टिनेंट रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म अवार्ड 2025 (पीस, अंडरस्टैंडिंग एंड इन्क्लूसिविटी) से सम्मानित किया जा चुका है। स्थानीय थारू आदिवासी समुदाय के प्रयासों से इस गांव में होमस्टे, क्रॉस-बॉर्डर ईको-टूरिज्म व सांस्कृतिक अनुभव को प्रोत्साहित करने के साथ ही देशज क्राफ्ट, खान-पान व लोककला को पुनर्जीवित किया गया है, जिससे यह गांव थारू विरासत का लाइव म्यूजियम बन गया है। आप यहां खासतौर से विलेज वॉक, स्थानीय खान-पान, हस्तकला ट्रेल, झील के किनारे पक्षियों को देखने के साथ ही स्थानीय कहानी सुनाने के आयोजनों का अनुभव कर सकते हैं। इससे निकटतम एयरपोर्ट लखनऊ है, जहां से यह गांव लगभग 200 किमी. दूर है।

औरोविले गांव, तमिलनाडु-पुडुचेरी: औरोविले गांव वैसे तो तमिलनाडु में है, लेकिन इसका कुछ हिस्सा पुडुचेरी में भी है। यह भारत में स्थित एक अंतरराष्ट्रीय टाउनशिप है, जिसे यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त है। इसकी भूमि एक जमाने में कटाव के कारण बेकार हो गई थी, लेकिन अब दशकों के वनीकरण, ईको-आर्किटेक्चर और वेस्ट-फ्री सिस्टम से फिर हरी-भरी हो गई है। यहां पर आप मैत्री मंदिर देख सकते हैं। इसके अलावा सस्टेनेबल-लिविंग वर्कशॉप, पॉटरी, वीविंग और योग सत्र में हिस्सा लेने के साथ ही 3,000 एकड़ में फिर से लगाए गए वन में साइकिलिंग का रोमांचक अनुभव ले सकते हैं। औरोविले गांव चेन्नै एयरपोर्ट से लगभग 140 किमी. और पुडुचेरी से तकरीबन 11 किमी. की दूरी पर स्थित है।

धुडमारास गांव, छत्तीसगढ़: छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में धुर्वा कबीले द्वारा संचालित यह पर्यटन गांव ईको-फ्रेंडली अनुभव प्रदान करता है, जैसे- बैंबू राफ्टिंग, कयाकिंग और ट्रैकिंग। यहां सोलर-पॉवर इंफ्रास्ट्रक्चर है। वन संरक्षण प्रयासों के कारण परंपरागत जल स्त्रोतों को दुरुस्त किया गया है और स्थानीय तौर पर निर्मित होम स्टे भी हैं। इस गांव में आदिवासी संस्कृति, परंपरागत शिल्प व साल वन ट्रेल्स का आनंद लेने के साथ ही लोक संगीत और स्थानीय खेतों से मेज तक जायकेदार भोजन का अनुभव ले सकते हैं। सतत पर्यटन विकास के लिए धुडमारास गांव का चयन यूएनडब्लूटीओ बेस्ट टूरिज्म विलेज अपग्रेड प्रोग्राम 2024 में किया गया था। यहां से निकटतम एयरपोर्ट जगदलपुर है, जहां से यह गांव लगभग 35 किमी. के फासले पर है। *

भय को जब करेंगे पराजित तब मिलेगी मनचाही सफलता

कई बार हमारे भीतर कुछ ऐसे डर समा जाते हैं, जो सफलता और खुशहाल जीवन की राह में बड़ी रुकावट बन जाते हैं। कौन से हैं ये डर और इनसे कैसे निपटा जाए, मनचाही सफलता पाने के लिए आपको जरूर जानना चाहिए।

सेल्फ मोटिवेशन / शिखर चंद जैन

डर सफलता की राह में सबसे बड़ी अड़चन होती है। 'जो डर गया समझो मर गया', 'डर के आगे जीत है।' ये कुछ पॉपुलर कोटेशंस या फिल्मी डायलॉग हैं, जिन्हें आपने कहीं न कहीं पढ़ा या सुना होगा। सवाल है कि आखिर ये कौन से डर हैं, जिनसे उबरना जरूरी है और इनसे कैसे उबरें, ताकि आप सफल, समृद्ध जीवन की ओर बढ़ सकें।

पैसे न होने का डर: अमीर हो या मध्य वर्ग के लोग, पैसों की कमी होने से सब डरते हैं। मध्य और निम्न वर्ग को और ज्यादा गरीब होने का डर सताता है। पैसे की कमी का डर व्यक्ति की महत्वाकांक्षाओं, जोखिम लेने की क्षमता और हिम्मत को खत्म कर देता है। सबसे पहले निर्णय की शक्ति का उपयोग करके इस डर को दूर करें। अपनी चेतना को हमेशा धन की कमी से हटाकर धन की अधिकता पर केंद्रित करें। धन कमाने के तरीकों के बारे में सोचें, न कि गरीबी के परिणामों के बारे में। अपनी आय बढ़ाने का एक स्पष्ट और लिखित लक्ष्य और योजना बनाएं। जब आपके पास काम करने की एक ठोस योजना होती है, तो डर की जगह आत्मविश्वास ले लेता है। हमेशा यह सोचें कि आपकी आंतरिक खुशी भौतिक संपत्ति से अधिक महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही पूरी मेहनत से धन कमाने के अपने प्रयास जारी रखें।

आलोचना का डर: यह डर अकसर लोगों को नए विचार आजमाने, जोखिम लेने या अपने सपनों का पीछा करने से रोकता है, क्योंकि उन्हें लगता है कि दूसरे लोग क्या सोचेंगे या कहेंगे? इस डर को दूर करने का आसान तरीका यही है कि दूसरों की राय की परवाह न करें। लोग अकसर आपकी आलोचना इसलिए करते हैं, क्योंकि या तो वे खुद डरे हुए होते हैं या फिर आपसे ईर्ष्या करते हैं। अपने कार्यों और निर्णयों के लिए खुद को जवाबदेह बनाएं। आत्म-अनुशासन आपको बाहरी आलोचनाओं से प्रभावित हुए बिना अपने लक्ष्य पर टिके रहने में मदद करता है। आलोचना का डर आपकी रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति को खत्म कर देता है। इसलिए खुद को रचनात्मक कार्यों में लगाएं।

बीमारी-मृत्यु का डर: यह डर अकसर किसी क्रॉनिक बीमारी या नियमित शारीरिक दर्द से उत्पन्न होता है। कई बार किसी नजदीकी की बीमारी देखकर भी ऐसा होता है। यह डर अकसर मानसिक तनाव पैदा करता है। इसे दूर करने के लिए बीमारी के बारे में लगातार सोचना या बात करना बंद करें। अपने मन को सकारात्मक और स्वस्थ विचारों से भरें। स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली अपनाएं। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त आराम पर ध्यान केंद्रित करें। अपनी दिमागी शक्ति का उपयोग करें। यह विश्वास करें कि एक स्वस्थ दिमाग एक स्वस्थ शरीर का निर्माण करता है। अपनी मानसिक ऊर्जा को ठीक होने या स्वस्थ रहने में लगाएं, न कि बीमार पड़ने के डर में।

रिश्ते खोने का डर: यह डर किसी प्रियजन, जीवनसाथी या परिवार के सदस्य से बिछड़ने या उन्हें खोने के भय से जुड़ा होता है। इसे दूर करने के लिए आत्म-प्रेम और आत्मविश्वास बढ़ाएं। जब आप खुद से प्यार करते हैं और खुद पर भरोसा करते हैं, तो आप दूसरों पर भावनात्मक निर्भरता कम कर देते हैं। ईर्ष्या इस डर का सबसे बड़ा संकेत है। तर्कसंगत रूप से अपनी असुरक्षाओं को पहचानें और उन्हें तर्क से दूर करें। यह समझें कि आप किसी को नियंत्रित नहीं कर सकते। रिश्ते विश्वास और आपसी सम्मान पर टिके होते हैं, डर पर नहीं।

बुढ़ापे का डर: यह डर अकसर उम्र बढ़ने के साथ आने वाली शारीरिक कमजोरी, शारीरिक आकर्षण में कमी, आर्थिक अभाव और मृत्यु की संभावना से जुड़ा होता है। इसे दूर करने के लिए बुढ़ापे को अनुभव और ज्ञान के रूप में देखें। उम्र बढ़ने को कमजोरी के रूप में नहीं, बुद्धिमत्ता के संचय के रूप में स्वीकार करें। शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रहकर इस डर का मुकाबला करें। नए कौशल सीखें और जीवन में उत्साह बनाए रखें। अपनी आर्थिक सुरक्षा शुरू से ही सुनिश्चित करें। वित्तीय योजना बनाकर बुढ़ापे में संभावित गरीबी के डर को कम करें।

इनमें से कोई डर हो या कोई अन्य प्रकार का डर, सभी डरों को दूर करने का मूल मंत्र 'इच्छाशक्ति' और 'सकारात्मक मानसिक दृष्टिकोण' है। इन दो मूल मंत्रों को अपनाकर आप भयमुक्त खुशहाल जीवन जी सकते हैं। *

भारत की प्राचीनतम और महानतम नदियों- गंगा, नर्मदा की तरह ही ताप्ती नदी का भी भारतीय संस्कृति, भूगोल एवं अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान है। ताप्ती नदी से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आप इस नदी की महत्ता को और भी अच्छे से जान-समझ पाएंगे।

गंगा-नर्मदा जैसी महत्वपूर्ण पश्चिमवाहिनी ताप्ती नदी

नदी गाथा / वीना गौतम

ताप्ती जिसे तापी नदी भी कहते हैं, भारत की उन चुनिंदा बड़ी पश्चिम वाहिनी नदियों में से है, जो मध्य भारत से निकलकर अरब सागर में गिरती है। यह विशेषता इसे गंगा जैसी विशाल पूर्व वाहिनी नदी और नर्मदा जैसी महान पश्चिम वाहिनी नदी के समकक्ष बनाती है। भौगोलिक, आर्थिक, पारिस्थितिक और सांस्कृतिक स्तरों पर इस नदी की भूमिका अत्यंत व्यापक है।

उद्गम-प्रवाह: ताप्ती नदी का उद्गम मध्य प्रदेश के बेतूल जिले के पास सतपुड़ा पर्वतमाला में है। यहां से लगभग 724 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए महाराष्ट्र और गुजरात से गुजरती यह नदी अंततः अरब सागर में जा मिलती है। यह पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है। इस नदी की सहायक नदियां इसकी जलराशि को संपन्नता प्रदान करती हैं। ताप्ती की सहायक नदियों में पूर्णा, गिर्णा, वाघुर और अंजली जैसी नदियां शामिल हैं। ताप्ती को गंगा और नर्मदा के समकक्ष महत्वपूर्ण नदी इसलिए माना जाता है, क्योंकि यह भी इन्हीं की तरह विशाल नदी घाटी प्रणाली बनाती है। ताप्ती नदी का जलभरण क्षेत्र लगभग 65 हजार वर्ग किलोमीटर है।

ताप्ती नदी के तट पर स्थित मंदिर

जहां तक इसके बहाव की गति की बात है, तो शुष्क मौसम में इसका बहाव 0.3 से 0.6 मीटर प्रतिसेकेंड होता है, जबकि मानसून के दौरान ताप्ती नदी का बहाव 1.5 से 3 मीटर प्रति सेकेंड तक पहुंच जाता है। ताप्ती का औसत वार्षिक प्रवाह 17 से 18 बिलियन घन मीटर आंका गया है। इसका अधिकांश भाग जून से सितंबर यानी मानसून के दौरान प्राप्त होता है। ताप्ती नदी की वर्षा पर निर्भरता करीब 75 फीसदी है और शेष 25 फीसदी जलराशि इसके भूजल, पुनर्भरण और सहायक नदियों के जरिए प्राप्त होता है।

संस्कृति की वाहक: जिस तरह गंगा नदी-घाटी में प्राचीन सभ्यताएं विकसित हुईं, वैसे ही ताप्ती घाटी में भी आदिवासी समाज, कृषि संस्कृतियां और व्यापारिक नगर विकसित हुए। गंगा और नर्मदा की तरह ताप्ती को भी अनेक स्थानों में पवित्र नदी का दर्जा प्राप्त है और इसके किनारे मेले और पवित्र स्नानों से संबंधित पर्व आयोजित किए जाते हैं। देश की दूसरी पवित्र नदियों की तरह ताप्ती के तट पर भी अनेक महत्वपूर्ण मंदिर स्थित हैं।

अर्थव्यवस्था में योगदान: चूंकि ताप्ती पश्चिम वाहिनी नदी है, इसलिए इसमें ढाल अपेक्षाकृत ज्यादा है। यही कारण है कि इसका प्रवाह पूर्वगामी नदियों के मुकाबले ज्यादा है, जिससे जल विद्युत उत्पादन के लिए ताप्ती महत्वपूर्ण नदी मानी जाती है। इसके पानी का उपयोग सिंचाई के लिए, पेयजल के रूप में, औद्योगिक उपयोग हेतु तथा विद्युत उत्पादन आदि में किया जाता है। ताप्ती नदी की मिट्टी जलोढ़ है, जो अत्यंत उपजाऊ होती है। इस कारण इसके परिक्षेत्र में दोहरी फसल प्रणाली सहजता से संभव है और किसान अपेक्षाकृत कम सिंचाई लागत में खेती कर पाते हैं। ताप्ती बेसिन एक स्वतंत्र और बड़ा जलग्रहण क्षेत्र है, जो लाखों लोगों की कृषि, पेयजल और औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करती है। यह गुण ही इसे पश्चिम की नर्मदा और पूर्व की गंगा जैसी नदियों के समकक्ष बनाती है। ताप्ती घाटी कपास, सोयाबीन, गन्ना, केला और विभिन्न तरह की दालों की खेती के लिए जानी जाती है। गंगा की तरह ताप्ती नदी भी कृषि आधारित जीवनरेखा की भूमिका निभाती है। ताप्ती नदी कृषि एवं ग्रामीण रोजगार का भी बड़ा आधार बनाती है।

ताप्ती नदी के किनारे स्थित शहर विशेष रूप से कपड़ा, रसायन, हीरा कटाई और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए प्रसिद्ध हैं। इससे लाखों रोजगार और शहरी विकास को बल मिलता है। इसी नदी के किनारे सूरत जैसा औद्योगिक और व्यापारिक शहर स्थित है।

समृद्ध पारिस्थितिक तंत्र: ताप्ती नदी में मीठे पानी की अनेक महत्वपूर्ण प्रजातियों की मछलियां पाई जाती हैं, जिनमें रोहू, कतला और मृगल शामिल हैं। सतपुड़ा क्षेत्र से गुजरते समय यह नदी कई वन क्षेत्रों को सिंचित करती है, जिससे वन क्षेत्रों का पारिस्थितिकी तंत्र गतिशील रहता है। ताप्ती नदी के डेल्टा क्षेत्र में पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं और प्रवासी पक्षियों का भी यह आश्रय स्थल बनती है। ताप्ती बेसिन में नदी का पानी आस-पास के जलस्रोतों को भरता है, जिससे कुओं, नलकूपों आदि में पूरे साल जल उपलब्ध रहता है।

मौजूद हैं कई संकट: देश की अन्य बड़ी नदियों की तरह ताप्ती भी कई तरह की औद्योगिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है। यह भी औद्योगिक प्रदूषण से ग्रस्त है। इस नदी में भी बड़े पैमाने पर शहरी अपशिष्ट आकर मिलता है तथा इसके आस-पास में भी अवैध रेत खनन आदि की घटनाएं होती रहती हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हाल के कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन और वर्षा की अनिश्चितता की भी यह नदी शिकार हुई है। यही नहीं इस सबके चलते ताप्ती नदी की गुणवत्ता और जैव विविधता दोनों प्रभावित हुई है। ताप्ती नदी पर मंडरा रहे इन संकटों के मद्देनजर इसके संरक्षण के लिए कई कदम उठाए गए हैं। जैसे अपशिष्ट जलशोधन संयंत्र, नदी किनारे हरित पट्टी का विकास, सामुदायिक जागरुकता और सतत जल प्रबंधन। *

पिछले महीने से सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर एक नया शो शुरू हुआ है- 'व्हील ऑफ फॉर्चून', जिसे होस्ट कर रहे हैं अक्षय कुमार। इस शो को उन्होंने क्यों एक्सेप्ट किया? इस सो, अपकमिंग फिल्मों के साथ-साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े सवालों पर अक्षय कुमार ने खुलकर जवाब दिए हैं इस खास मुलाकात में।

जो आपकी तकदीर में है वह जरूर आपके पास आएगा: अक्षय कुमार

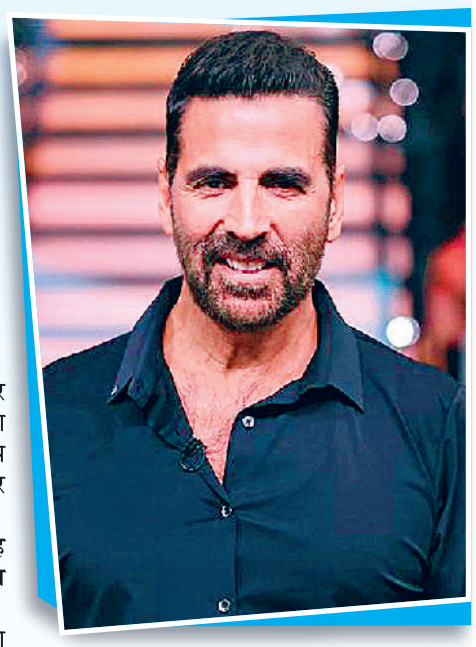

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

हाल में ही अक्षय कुमार टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक ऐसा रियालिटी शो लेकर आए हैं, जो पहले से ही 60 देशों में पॉपुलर हो चुका है। यह अमेरिका का नंबर वन रियालिटी शो है। इस शो का नाम 'व्हील ऑफ फॉर्चून' है। गेम का पूरा फॉर्मेट अक्षय कुमार खुद बतौर होस्ट इस शो की शुरुआत में समझाते हैं, साथ ही मजाकिया अंदाज में सबको हंसाते नजर आते हैं। इस शो के अलावा अक्षय की फिल्म 'हैवान' रिलीज होने वाली है, जबकि एक और फिल्म 'भूत बंगला' अप्रैल में रिलीज होगी। दोनों ही फिल्मों को प्रियदर्शन ने डायरेक्ट किया है। अक्षय का अपने इस शो और आने वाली फिल्मों को लेकर क्या कहना है? और भी पर्सनल सवालों के जवाब अक्षय कुमार ने एक मुलाकात में बेबाक अंदाज में दिए। पेश है अक्षय कुमार से हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

आप इन दिनों सोनी एंटरटेनमेंट चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्चून' को होस्ट कर रहे हैं। इस गेम शो को होस्ट करने के पीछे खास वजह क्या है?

मुझे यह शो बहुत ही दिलचस्प लगा, क्योंकि इसमें पार्टिसिपेंट्स को ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाने का मौका मिलता है। बहुत ज्यादा दिमाग नहीं लगाना है। अगर तकदीर ने साथ दिया तो कंटेस्टेंट्स, कुछ मिनटों में लाखों रुपए और कई अच्छे और महंगे गिफ्ट जीत सकते हैं। इस शो का फॉर्मेट सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पॉपुलर है। पर्सनली मुझे भी इस शो में कई सारी खूबियां नजर आईं, इसलिए मैंने बतौर होस्ट यह शो करना स्वीकार किया।

अमिताभ बच्चन ने टीवी पर 'कौन बनेगा करोड़पति' और सलमान खान ने 'बिग बॉस' जैसे सुपरहिट शो के कई सीजंस सफलतापूर्वक होस्ट किए हैं। ऐसे में क्या आपको इन दोनों कलाकारों से कंपैरिजन का भी प्रेशर है?

नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। मैं इस मामले में बहुत पॉजिटिव हूं। मुझे कुछ करना है तो मैं करता हूं, नेगेटिव बातें सोच कर अपने आप को कमजोर नहीं बनाता। मुझे 'व्हील ऑफ फॉर्चून' का कॉन्सेप्ट दिलचस्प लगा तो मैंने शो होस्ट करना मंजूर कर लिया। जहां तक अमित जी और सलमान का सवाल है तो अमित जी मेरे लिए फादर फिगर हैं, सलमान मेरा अच्छा दोस्त है। दोनों ही लोग अपना काम बहुत अच्छे से कर रहे हैं। मेरा उनके साथ कोई कॉम्पिटिशन नहीं है। मैं इस शो को एंज्वॉय कर रहा हूं।

अगर 'व्हील ऑफ फॉर्चून' में आप होस्ट की जगह पार्टिसिपेंट होते तो आप दिमाग से खेलते या नसीब के भरोसे गेम को आगे बढ़ाते?

यह शो दिमाग से ज्यादा तकदीर के साथ खेला जा सकता है। शो में दिमाग सिर्फ इतना ही लड़ा सकते हैं कि गेम के दौरान पूछे गए सवालों का जवाब सोच-समझ कर दें, बाकी जब व्हील घूमता है तो जीरो पर भी रुक सकता है और एक करोड़ पर भी। मैंने इस शो में कई लोगों को लाखों रुपए जीतते हुए देखा है। सो अगर मैं कंटेस्टेंट होता तो मुझे भी सही जवाब देना पड़ता, बाकी किस्मत कितना साथ देती है, वह तो अपने हाथ में नहीं होता है।

'व्हील ऑफ फॉर्चून' में अक्षय कुमार का निराला अंदाज

अपने इस शो में क्या आप किसी खास बॉलीवुड एक्टर को बुलाना चाहेंगे?

अगर बॉलीवुड एक्टर को अपने शो में बुलाने की बात करें तो मैं सलमान, शाहरुख, विद्या बालन, सुनील शेट्टी, संजय दत्त इन सभी को अपने शो में बुलाना चाहूंगा।

आप तकदीर पर ज्यादा विश्वास करते हैं या मेहनत पर?

मेरा मानना है अगर आपकी तकदीर में कुछ नहीं है तो आप लाख कोशिश कर लो वह नहीं मिलेगा और अगर तकदीर में कुछ है तो आप वो पा ही लेंगे। मैं जब छोटा था तो अपने पापा के कंधों पर चढ़कर राजेश खन्ना साहब की शूटिंग और उनका बंगला देखने जाया करता था, मुझे क्या पता था कि एक दिन मेरी उनकी बेटी से ही शादी हो जाएगी। इसलिए मेरा मानना है कि जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है। जो आपकी तकदीर में लिखा है, वह जरूर आपके पास आएगा।

बीते कुछ समय में आपकी कई फिल्में असफल रहीं। क्या फ्लॉप फिल्मों ने आपको निराश किया?

फ्लॉप फिल्में कुछ समय के लिए दुःखी जरूर कर देती हैं, लेकिन जिंदगी में कभी मैं निराश नहीं होता हूं। करियर की शुरुआत में मैंने 12 से 15 फिल्में एक साथ फ्लॉप दी थीं। लेकिन बाद में तकदीर ने पलटा खाया और मेरी कई फिल्में हिट हो गईं, जैसे 'खिलाड़ी', 'मोहरा', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' एक्सेक्ट्रा। मेरा मकसद अपने किरदार के साथ पूरा न्याय करना है। फिर फिल्म फ्लॉप होती है या हिट, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

आने वाली फिल्म 'हैवान' में आप नेगेटिव रोल कर रहे हैं, क्या यह आपकी हीरो वाली इमेज को नुकसान पहुंचा सकता है?

मेरे ख्याल में ऐसा होगा नहीं, क्योंकि दर्शक भी अपने हीरो को हर तरह के किरदार में देखना चाहते हैं। 'हैवान' में मैं एक बार फिर नेगेटिव रोल कर रहा हूं। मुझे ऐसा लगता है कि दर्शक मुझे इस फिल्म के किरदार में भी बतौर एक्टर खूब पसंद करेंगे। *

पैसों से ज्यादा महत्वपूर्ण प्यार और रिश्ते

अक्षय कुमार के लिए लाइफ में पैसा ज्यादा महत्वपूर्ण है या प्यार, पूछने पर उनका जवाब होता है, 'मेरी नजर में लाइफ में पैसों से ज्यादा प्यार और रिश्तों की अहमियत है। मुझे अपनी बेटी के साथ वक्त बिताना बहुत अच्छा लगता है। खाली वक्त में मैं घर पर अपने परिवार के लिए खाना भी बनाता हूं। अगर आपके अपने आप के साथ हैं तो आप मेहनत करके पैसा कमा सकते हैं, लेकिन पैसों से आप रिश्ते या प्यार नहीं खरीद सकते हैं।'